सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 121 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 12 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

भारत बंद का छत्तीसगढ़ में असर, रायगढ़ में खदानें बंद कोयला परिवहन ठप

रायपुर। केंद्र सरकार की चार श्रम संहिताओं और अन्य नीतियों के विरोध में आज 12 फरवरी को देश की 10 प्रमुख ट्रेड यूनियन और 100 से अधिक जन संगठन हड़ताल पर है। छत्तीसगढ़ में इसका मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। रायगढ़ जिले में ट्रेड यूनियन सदस्य छाल कोल खदान के पास प्रदर्शन कर रहे हैं। हड़ताल के चलते छाल सहित जिले की चार कोयला खदानें बंद हैं, जिससे कोयला परिवहन पूरी तरह ठप हो गया है। यूनियन के नेताओं के मुताबिक नए कानून से मजदूरों के अधिकार कम होंगे।स्थायी नौकरी की जगह फिक्स्ड टर्म रोजगार लागू हो सकता है, शिफ्ट 8 से बढ़ाकर 12 घंटे की जा सकती है। कोल इंडिया के निजीकरण को बढ़ावा मिलेगा साथ ही वेतन, सुविधाओं, जमीन के बदले नौकरी और पुनर्वास जैसे प्रावधान खत्म होने और ट्रेड यूनियनों के रजिस्ट्रेशन पर भी खतरा है।

छत्तीसगढ़ में गर्मी की आहट तेज, दिन और रात के तापमान में बढ़ा अंतर

भिलाई। छत्तीसगढ़ में मौसम ने करवट ले ली है। वातावरण में नमी बढ़ने से दिन के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जबकि रातें अपेक्षाकृत ठंडी बनी हुई हैं। इसका असर यह है कि कई शहरों में दिन का तापमान रात की तुलना में लगभग दोगुना महसूस हो रहा है। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि 77 डिग्री पूर्व देशांतर और 30 डिग्री उत्तर अक्षांश के आसपास मध्य एवं ऊपरी क्षोभमंडल में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। हालांकि इसका प्रदेश के मौसम पर तत्काल कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। 12 फरवरी से न्यूनतम तापमान में भी खास परिवर्तन की संभावना नहीं जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जगदलपुर, अंबिकापुर और पेंड्रा में दिन का तापमान सामान्य से लगभग 2 डिग्री अधिक रहा। फिलहाल मौसम शुष्क बना रहने की संभावना है और अगले सात दिनों में किसी बड़े बदलाव के संकेत नहीं हैं।

महापरीक्षा अभियान 2025 में 90.85 प्रतिशत परिणाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत संचालित उल्लासङ्नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 7 दिसंबर 2025 को आयोजित महापरीक्षा अभियान के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), नई दिल्ली द्वारा जारी नतीजों में प्रदेश का कुल परीक्षा परिणाम 90.85 प्रतिशत रहा है। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश भर से 4 लाख 55 हजार 44 शिक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। इनमें से 4 लाख 13 हजार 403 प्रतिभागी उत्तीर्ण हुए हैं। वर्गवार परिणाम में 1 लाख 37 हजार 350 पुरुष शिक्षार्थियों में से 1 लाख 23 हजार 743 पास हुए। 3 लाख 17 हजार 617 महिला शिक्षार्थियों में से 2 लाख 89 हजार 597 ने सफलता हासिल की। वहीं 77 ट्रांसजेंडर शिक्षार्थियों में से 63 ने परीक्षा उत्तीर्ण कर समावेशी शिक्षा की दिशा में सकारात्मक संदेश दिया।

प्रार्थना सभा में गूंजेंगी अखबार की सुर्खियां, विद्यार्थियों की दिनचर्या में शामिल हुआ अखबार वाचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। जिले के विकासखंड प्रेमनगर के शासकीय प्राथमिक शाला पीपरडांड में एक सराहनीय एवं अभिनव पहल की गई है। विद्यालय में विद्यार्थियों की दैनिक दिनचर्या में अखबार वाचन को शामिल किया गया है। इस प्रयास से परीक्षा-केंद्रित शिक्षा को ज्ञान-केंद्रित शिक्षा में परिवर्तित करने की दिशा में सार्थक कदम उठाया गया है।

छात्रों के लिए प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ना एक लाभकारी आदत है। इससे उन्हें समसामयिक घटनाओं, महत्वपूर्ण मुद्दों और विविध विचारों से अवगत होने का अवसर मिलता है। यह आदत गुणवत्तापूर्ण भाषा, पढ़ने और लिखने की क्षमताओं को बढ़ाती है।

शिक्षा सुधार का एक प्रभावी माध्यम

सहायक शिक्षक राजेन्द्र जायसवाल ने बताया कि मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करना ही नहीं, बल्कि उन्हें सोचने, समझने, तर्क करने और प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करना है। वर्तमान समय में बढ़ते मोबाइल स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों में पठन संस्कृति कमजोर होती जा रही है। ऐसे में समाचार पत्र वाचन शिक्षा सुधार का एक प्रभावी माध्यम बनकर सामने आया है।

मौलिक लेखन एवं समूह चर्चा भी होगी

नई व्यवस्था के तहत विद्यालय की प्रार्थना सभा अब केवल अनुशासनात्मक गतिविधि तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जागरूकता की पाठशाला के रूप में विकसित होगी। छात्र-छात्राएं प्रतिदिन अखबार की प्रमुख सुर्खियां पढ़ेंगे और देश-दुनिया की समसामयिक घटनाओं से अवगत होंगे। इसके अलावा सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों को किसी संपादकीय विषय पर मौलिक लेखन एवं समूह चर्चा के लिए प्रेरित किया जाएगा।

रिजिजू ने साझा किया नया वीडियो, कहा स्पीकर चैंबर में घुसे सांसदों ने तोड़ी मर्यादा

केन्द्रीय संसदीय मंत्री किरण रिजिजू का आरोप- विपक्षी सांसदों ने पीएम मोदी को भी थी गालियां

नईदिल्ली ए.। गुरूवार को संसद के बजट सत्र का 12वां दिन है। केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा स्पीकर के चैंबर में हुए हंगामे को लेकर नया वीडियो पोस्ट किया है। बुधवार को जारी इस नई वीडियो क्लिप से पहले भी रिजिजू ने विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस के 20-25 सांसदों ने अध्यक्ष के कमरे में घुसकर गालियां दी थी।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट वीडियो के साथ लिखा 'यह कांग्रेस सांसद द्वारा बनाया गया अवैध वीडियो क्लिप है, जिसमें 20-25 कांग्रेस सांसद माननीय अध्यक्ष के कक्ष में घुसकर उन्हें अपशब्द कह रहे हैं और माननीय प्रधानमंत्री को धमकी दे रहे हैं। हमारी पार्टी बहस और चर्चा में विश्वास रखती है और सांसदों को शारीरिक रूप से धमकी देने के लिए कभी प्रोत्साहित नहीं करती।'

खत्म हुआ लंबा गतिरोध

बता दें कि इससे पहले मंगलवार को लोकसभा में आम बजट पर चर्चा हुई। इसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कई सांसदों ने भाग लिया। खास बात ये रही कि हंगामे के कारण कई दिनों तक बरकरार रहे गतिरोध के बाद मंगलवार को सदन में विधायी कामकाज हुए। चर्चा पूरी होने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चर्चा का जवाब भी दिया।

तेज आवाज में विरोध जताते दिखे विपक्ष के सांसद

रिजिजू के हैंडल पर साझा वीडियो में दिख रहा है कि कांग्रेस सांसद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के चैंबर में घुसकर तेज आवाज में अपना विरोध जता रहे हैं। इस वीडियो क्लिप के अलावा रिजिजू ने अपना बयान भी साझा किया है।

प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल पर गंभीर आरोप

किरण रिजिजू ने कहा, 'प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में विपक्षी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर और पीएम मोदी को गालियां दीं और ये भी कहा कि जब प्रधानमंत्री संसद आएंगे तो देखिएगा हम क्या करते हैं।' रिजिजू ने कहा कि अगर हम भी अपने सांसदों को संयम बरतने के लिए नहीं कहते और उन्हें नियंत्रित नहीं करते तो संसद में महाभारत हो सकती थी।

लोकसभा में राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाएगी सरकार

राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने की तैयारी सरकार कर रही है। संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील पर बड़ा बयान दिया, जिसके बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की उनसे तीखी बहस हो गई. इन सबके बीच किरेन रिजिजू ने कहा कि वो राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस लेकर आएंगे

विश्व रेडियो दिवस पर 13 फरवरी को रायपुर में भव्य आयोजन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रसार भारती एवं यूनेस्को के संयुक्त तत्वावधान में 13 फरवरी 2026 को विश्व रेडियो दिवस का भव्य आयोजन रायपुर में किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय महत्व का यह कार्यक्रम सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, प्रसार भारती और आकाशवाणी महानिदेशालय के सहयोग से आकाशवाणी रायपुर द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ यूनेस्को के प्रतिनिधि, प्रसार भारती एवं आकाशवाणी के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी कार्यक्रम में भाग लेंगे।

वर्ष 2026 के विश्व रेडियो दिवस की थीम रेडियो और कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्धारित की गई है। इस विषय के अंतर्गत रेडियो प्रसारण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नवाचारपूर्ण उपयोग, सामग्री निर्माण में एआई

की भूमिका, श्रोताओं तक प्रभावी पहुंच तथा तकनीकी एवं नैतिक चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

कार्यक्रम में ऑडियो विजुअल प्रस्तुतीकरण, परिचर्चा सत्र, विशेषज्ञ पैनल चर्चा आदि को शामिल किया गया है।जिनका उद्देश्य रेडियो माध्यम को तकनीकी रूप से सशक्त, समावेशी और भविष्य उन्मुख बनाना है। विश्व रेडियो दिवस प्रतिवर्ष 13 फरवरी को मनाया जाता है। यह दिवस रेडियो की विश्वसनीयता, पहुंच और समाज में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

मुजफ्फरनगर में एनकाउंटर, 50 हजार का इनामी ढेर

मुजफ्फरनगर ए.। यूपी के मुजफ्फरनगर स्थित बुढ़ाना में पुलिस और दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी अमजद मारा गया। दरोगा संदीप और सिपाही अशफाक घायल हुए हैं। एसपी देहात आदित्य बंसल की बुलेटप्रूफ जैकेट में भी गोली लगी है। वहीं बदमाश का साथी फरार हो गया।

एसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के करीब तीन बजे बुढ़ाना में थाना बुढ़ाना, थाना तितावी और थाना शाहपुर पुलिस की संयुक्त टीम की बाइक सवार दो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने बदमाशों को रोकने का इशारा किया तो उन्होंने अचानक फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 50 हजार रुपये का इनामी शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव हरसोली का रहने वाला अमजद घायल हो गया, जबकि उसका साथी भाग गया। बदमाश से एक पिस्टल और कार्बाइन बरामद हुई है। घायल अमजद को बुढ़ाना सीएचसी ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। वह अन्तर्राज्यीय स्तर का अपराधी था। मुठभेड़ में बुढ़ाना कोतवाली के दरोगा संदीप और सिपाही अशफाक घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी देहात आदित्य बंसल की बुलेट प्रूफ जैकेट और उनकी गाड़ी में गोली लगी है। पुलिस ने जेवर एवं अन्य दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

रायपुर कोर्ट से बंदी फरार : पुलिसकर्मी को चकमा देकर भागा

चार घंटे तलाश करने के बाद आरक्षक ने दर्ज कराई एफआईआर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के जिला न्यायालय परिसर से एक कैदी के फरार होने का मामला सामने आया है। पेशी के दौरान पुलिसकर्मियों को चकमा देकर कैदी कोर्ट परिसर से गायब हो गया। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। कैदी को चार घंटे तक तलाश किया गया और नहीं मिलने पर सिविल लाइन थाना पहुंचकर आरक्षक ने एफआईआर दर्ज कराई। फरार कैदियों का नाम पुलिस द्वारा राजेश

मार्कण्डेय और तुलाराम मारकण्डेय बताया जा रहा है। फरार कैदी बाप-बेटे है।

मारपीट, हत्या के प्रयास में रायपुर जेल में बंद कैदी राजेश मार्कण्डेय और तुलाराम मारकण्डेय को बुधवार को न्यायिक अभिरक्षा से कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था। आरक्षक ईसरार गौरी को आरोपियों की निगरानी में लगाया गया था। पेशी के बाद उसे वापस जेल ले जाने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान भीड़ और अफरा-तफरी का फायदा उठाकर कैदी पुलिस अभिरक्षा से निकलकर फरार हो गया।

घटना के तुरंत बाद पुलिसकर्मियों ने कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में तलाशी शुरू की, लेकिन आरोपी हाथ नहीं लगे। आरक्षक ने वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना दी। आरोपियों की तलाश करने पर जब वो नहीं मिले तो सिविल लाइन थाना पहुंचकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करके आरोपियों के फरार होने की दिशा और संभावित ठिकानों की तलाश पुलिस टीम कर रही है।

लाल किले के पास धमाका: यूएन की रिपोर्ट में दावा- आतंकी संगठन जैश से जुड़े हैं तार

नईदिल्ली। पुरानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास 9 नवंबर को हुआ जोरदार धमाका पूरे देश के लिए गहरे सदमे की तरह था। इस हमले में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हुए। ऐसे में अब संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की आतंकवाद निगरानी टीम की ताजा रिपोर्ट ने इस हमले से पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के जुड़े होने का दावा किया है।

रिपोर्ट में संगठन की नई साजिशों पर भी चिंता जताई गई है, जिसमें महिलाओं के लिए अलग विंग बनाना और आतंकी गतिविधियों में उनकी भागीदारी शामिल है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे संगठन का नेटवर्क बढ़ सकता है और सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बचने में मदद मिल सकती है।

दूसरी ओर यूएन सुरक्षा परिषद को सौंपी गई रिपोर्ट में एनालिटिकल सपोर्ट एंड सैंक्शंस मॉनिटरिंग टीम ने बताया कि एक सदस्य देश ने जानकारी दी है कि जैश-ए-मोहम्मद ने 9 नवंबर को नई दिल्ली के लाल किले पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी। इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई थी।

छह ट्रेनों से छिना सुपरफास्ट का दर्जा 45 रुपए तक कम हो जाएगा किराया

नईदिल्ली। बरेली होकर गुजरने वाली उपासना, कुंभ और हिमगिरि एक्सप्रेस से सुपरफास्ट ट्रेन का दर्जा छिन गया है। 13 से 16 अप्रैल के बीच इन गाड़ियों का संचालन मेल-एक्सप्रेस के रूप में शुरू होने के साथ स्लीपर श्रेणी में 30 और एसी में 45 रुपये किराया कम हो जाएगा। यह अतिरिक्त किराया सुपरफास्ट चार्ज के रूप में लिया जा रहा था।

पिछले महीने इन गाड़ियों के संबंध में प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा गया था। इसे अब मंजूरी मिल गई है। मुरादाबाद मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि देहरादून-हावड़ा-देहरादून उपासना एक्सप्रेस, हावड़ा-देहरादून कुंभ एक्सप्रेस, देहरादून-हावड़ा कुंभ एक्सप्रेस, हावड़ा-जम्मूतवी हिमगिरि एक्सप्रेस व जम्मूतवी-हावड़ा हिमगिरि एक्सप्रेस आदि अब नए नंबर चलेंगे।

थार ने 6 लोगों को कुचला, एक की मौत

गृहप्रवेश कार्यक्रम से लौट रहे थे सभी

रांची। जिले के चुटिया थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार और बेकाबू एसयूवी (थार) ने छह लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में 40 साल के धर्मेंद्र कुमार की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मिली जानकारी साउथ रेलवे कॉलोनी के दुर्गा मंदिर के पास एक गृह प्रवेश कार्यक्रम से खाना

खाकर कुछ लोग बाहर निकले थे और सड़क किनारे खड़े होकर बात कर रहे थे। रेलवे स्टेशन की ओर से तेज रफ्तार में आई थार लोगों को कुचलते हुए आगे बढ़ गई। लोगों का कहना है कि गाड़ी की रफ्तार बहुत तेज थी, जिससे किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

घायलों में रेलवे की टीटी अन्नपूर्णा नायडू (50), उनके बेटे कुणाल नायडू (26), संदीप महतो (40), अमित सिंह (35) और प्रशांत गौरव शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल धर्मेंद्र कुमार ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उनका शव पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया है।

मिड-डे-मील के बाद 24 बच्चों की बिगड़ी तबीयत पत्ता गोभी की सब्जी खाए थे, एक छात्रा भर्ती

शासकीय प्राथमिक शाला अरंडवाल का मामला, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर जिले में मिड-डे-मील के बाद 24 बच्चों की तबीयत अचानक खराब हो गई। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बच्चों का तत्काल उपचार किया गया। सभी बच्चों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। लेकिन एक छात्रा को अस्पताल में एडिमट किया गया है। मामला शासकीय प्राथमिक शाला अरंडवाल का है।

मिली जानकारी के मुताबिक, बुधवार को बच्चों ने मिड-डे-मील पत्ता गोभी की सब्जी

खाई थी। खाना खाने के बाद 24 बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। बच्चों को उल्टी, कमजोरी और घबराहट होने लगी। जिसके बाद स्वास्थ्य अमला मौके पर पहुंचा।प्राथमिक उपचार के साथ सभी बच्चों की स्थिति सामान्य है। हालांकि, एक छात्रा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तोकापाल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज जारी है। शिक्षक सुनील मिंज और नीला राम बघेल ने बताया कि मध्यान्ह भोजन के बाद बच्चों को एल्बेंडाजोल (फाइलेरिया रोधी) गोली दी गई थी।

जांची जा रही है मिड-डे-मील की गुणवत्ता

सीएमएचओ और जिला टीकाकरण अधिकारी ने स्कूल का जायजा लिया। साथ ही मौजूद स्टाफको उच्च दिशा निर्देश दिए। वहीं, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषभ साव ने बताया कि सभी बच्चों की हालत अब सामान्य है और घबराने जैसी कोई स्थिति नहीं है। स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मिड-डे-मील की गुणवत्ता की भी जांच की जा रही है।

संपादकीय

फर्जी की मर्जी पर अंकुश

सोशल मीडिया नियमन की जटिलताएं

डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से झूठ को सच बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। इस तरह के भ्रमित करने वाली सामग्री प्रसारित करने वाले सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाले नियमों को सख्त बनाया जा रहा है। जिससे डिजिटल कंपनियों और प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, खासकर डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से निर्मित सामग्री के संबंध में। दरअसल, ये नवीनतम बदलाव उन शिकायतों के बाद किए गए हैं जिसमें एआई बॉट द्वारा पथभ्रष्ट करने वाली उत्तेजक छवियों के निर्माण करने के आरोप लगे हैं। जिसके खिलाफ दुनिया के कई देशों ने भी सख्त कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि आईटी के नये नियम बीस फरवरी से लागू होंगे। इसके बाद एआई के जरिये निर्मित सामग्री पर इस बात का लेबल लगाना जरूरी होगा कि उसे कृत्रिम रूप से गढ़ा गया है। साथ ही प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उपयोगकर्ताओं को भरोसा दिलाना होगा कि साझा की जा रही सामग्री एआई द्वारा निर्मित है या नहीं। ऐसे वक्त में जब लोगों की संवेदनाओं और भरोसे से खिलवाड़ का खेल द्रुत गति से जारी है, केंद्र सरकार की ओर से उठाया गया यह जरूरी कदम कहा जा सकता है। सरकार ने नये प्रावधानों में निर्देश दिया है कि किसी भी अवैध या भ्रामक एआई जनित सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना होगा या फिर ब्लॉक करना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यह हटाने की समय सीमा 36 घंटे थी। हालांकि, इस तरह सख्त नियमों के जरिये सोशल मीडिया का नियमन खासा जटिल कार्य है। इस आदेश की जटिल कार्यप्रणाली के अतिरिक्त,यह सवाल भी विवाद का विषय बना हुआ कि ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री किसे माना जाए। साथ ही यह भी कि क्या स्वीकार्य है? यदि हां तो किस आधार पर? वहीं दूसरी ओर इसके बहाने सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की चिंताएं भी बरकरार हैं। सही मायनों में, लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति से जुड़ी इन चिंताओं का निराकरण भी जरूरी है।

> “ जिसके खिलाफ दुनिया के कई देशों ने भी सख्त कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि आईटी के नये नियम बीस फरवरी से लागू होंगे। इसके बाद एआई के जरिये निर्मित सामग्री पर इस बात का लेबल लगाना जरूरी होगा कि उसे कृत्रिम रूप से गढ़ा गया है। साथ ही प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उपयोगकर्ताओं को भरोसा दिलाना होगा कि साझा की जा रही सामग्री एआई द्वारा निर्मित है या नहीं। ऐसे वक्त में जब लोगों की संवेदनाओं और भरोसे से खिलवाड़ का खेल द्रुत गति से जारी है, केंद्र सरकार की ओर से उठाया गया यह जरूरी कदम कहा जा सकता है।

निस्संदेह दुनिया में जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाती जा रही है, वैसे-वैसे ही प्रभावी नियामक नियंत्रण स्थापित करना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर एआई उद्योग के लिये भी, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी तकनीकों के विस्तार के साथ-साथ नैतिक ढांचों को बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बनता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता का विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति से असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना तकनीकी प्रगति की छलांग लगाती गति के दुष्परिणामों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित स्पर्धा के दौर में नैतिक दुविधा स्पष्ट है। साथ ही इसका कोई कारगर समाधान शीघ्र नजर भी नहीं आता। इस संकट से विकासशील देश ही नहीं, विकसित देश भी गहरे तक जूझ रहे हैं। आस्ट्रेलिया व फ्रांस आदि देशों में बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की न्यूनतम उम्र निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच के लिये एक ऐतिहासिक मुकदमा शुरू हो गया है। सोशल मीडिया कारोबार में दोनों हाथों से मुनाफा बटोरने वाली कंपनियों के देश अमेरिका में दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों पर लोगों को लत लगाने वाली मशीनें बनाने के आरोप लग रहे हैं। इस बाबत एक अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख विशेषज्ञ की टिप्पणी है- हम देख रहे हैं कि अधिकाधिक युवा न केवल मनोवैज्ञानिक बल्कि शारीरिक पीड़ा का भी अनुभव करते हैं, जब उनसे फोन आदि उपकरण ले लिए जाते हैं। कमोबेश यही स्थिति भारत समेत तमाम विकासशील देशों में भी बनी हुई है। इस संकट का कोई स्थायी समाधान विश्व भर के लिये प्रासंगिक हो सकता है। निस्संदेह, इस बेहद घातक तकनीक आक्रमण से निबटना लगातार बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। निर्विवाद रूप से असली-नकली के भ्रम से जूझते उपयोगकर्ताओं की संवेदनाओं से खिलवाड़ का सिलसिला नियंत्रित होना चाहिए।

संसद में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हनन के प्रश्न

विश्वनाथ सचदेव

हर नागरिक का अधिकार है कि वह उचित मर्यादाओं का पालन करते हुए अपनी बात कह सकता है। संसद में, और विधानसभाओं में तो सदस्यों को यह विशेषाधिकार प्राप्त है कि सदन में उनकी कही बात को किसी भी तरह से अपराध नहीं माना जायेगा।

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के दौरान हंगामा तो पहले भी होता रहा है, पर इस बार जो कुछ हुआ, वह अभूतपूर्व ही था। पहली बात तो यह हुई कि सत्ता पक्ष ने नेता विपक्ष को उनकी बात नहीं कहने दी और दूसरी यह कि किसी 'अनहोनी' की आशंका से लोकसभा के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को यह आग्रह किया कि वह कार्यक्रम के अनुसार सदन में बहस का उत्तर देने न आयें। यह दोनों ही बातें हैरान करने वाली हैं, पर यह भी अपने आप में कम हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष की सलाह मानते हुए सदन में न आने का निर्णय कर लिया। यह घटना जहां एक ओर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के हनन के रूप में याद रखी जायेगी, वहीं इस बात पर भी प्रश्नचिन्ह लगाती है कि हमारी संसद में देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा खतरे में क्यों और कैसे पड़ गयी।

प्रधानमंत्री को सदन में न आने देने की सलाह के बारे में बताते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने जो कहा, वह निश्चित रूप से चिंता की बात है। उन्होंने 'पुख्ता जानकारी' का हवाला देते हुए कहा था कि उस दिन सदन में प्रधानमंत्री के साथ कुछ भी हो सकता था। इस 'कुछ भी' का ब्योरा उन्होंने यह शब्द लिखे जाने तक नहीं दिया है, पर यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि उनका इशारा प्रधानमंत्री की सुरक्षा की ओर था। यदि ऐसा कुछ है तो देश को यह जानने का अधिकार है कि हमारे प्रधानमंत्री को किससे और कैसा खतरा था। यही नहीं, यह बताना भी अध्यक्ष का कर्तव्य है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए खतरा बनने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है। यह सब यदि देश को नहीं बताया जा रहा है तो तरह-तरह की अफवाहें फैल सकती हैं, जो किसी भी दृष्टि से देश के हित में नहीं होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्दी ही देश की जनता को इस बारे में विश्वास में लिया जायेगा।

संसद के भीतर प्रधानमंत्री पर इस तरह खतरे का होना जहां हमारी समूची सुरक्षा व्यवस्था को अंगूठा दिखा रहा है, वहीं सवाल संसद की कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने वालों के मंतव्य पर भी उठता है। सवाल जनतांत्रिक मूल्यों में हमारी आस्था और विश्वास का है। अक्सर इस तरह की स्थिति विपक्ष के विरोध से उत्पन्न होती है, पर सदस्यों के अभिव्यक्ति के अधिकार को चुनौती इस बार सत्तारूढ़ पक्ष ने भी दी है। जिस तरह नेता विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने से रोकने की कोशिश हुई, उन्हें एक पुस्तक का उद्धरण देने से रोका गया, वह नियमों को आधार बनाकर एक सच्चाई को उजागर होने से रोकने की कोशिश ही कही जायेगी। देश के पूर्व सेनाध्यक्ष की जिस कथित रूप से अप्रकाशित पुस्तक को लेकर सारा विवाद हुआ, वह एक उपहास बनकर रह गया है। पहले भी उस पुस्तक के कुछ अंश पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं और अब तो वह सब कुछ सोशल मीडिया के माध्यम से देश के सामने आ गया है, जिसे सत्तारूढ़ पक्ष उजागर नहीं करना चाहता था!

अब सारी दुनिया जान गयी है कि भारत सरकार ने जनरल नरवणे की जिस पुस्तक के अंश को छपने देने की अनुमति अब तक नहीं दी है उसका रिश्ता उस एक घटना से है जिसमें जनरल ने यह लिखा था कि शत्रु देश चीन के बढ़ते कदमों को रोकने के लिए उन्हें सर्वोच्च अधिकारी से आवश्यक अनुमति बार-बार प्रयास करने के बाद भी नहीं मिल पायी थी। सवाल इस घटना की सच्चाई या झूठ का नहीं है, सवाल यह है कि यदि उस दिन लोकसभा में नेता विपक्ष को इस घटना का हवाला देने दिया जाता तो क्या बिगड़ जाता? सारी जानकारी एक खुला रहस्य था, यह बात सदन में दोनों पक्षों को पता थी।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा वाली बात अपनी जगह है। उसकी तो जांच होनी ही चाहिए और जो भी दोषी है उसे उचित सज़ा भी मिलनी चाहिए। इस संदर्भ में किसी को भी किसी तरह की छूट दिया जाना प्रधानमंत्री की ही नहीं, देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करना होगा।

इस समूचे प्रकरण का एक हिस्सा जनतांत्रिक व्यवस्था और मूल्यों का है। जो शासन-व्यवस्था हमने अपने लिए चुनी है, उसमें संवाद का सर्वाधिक महत्व है। हमारा संविधान हर नागरिक के अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा करता है। हर नागरिक का अधिकार है कि वह उचित मर्यादाओं का पालन करते हुए अपनी बात कह सकता है। संसद में, और विधानसभाओं में तो सदस्यों को यह विशेषाधिकार प्राप्त है कि सदन में उनकी कही बात को किसी भी तरह से अपराध नहीं माना जायेगा। यह व्यवस्था इसलिए भी ज़रूरी थी कि निर्वाचित सदस्य अपनी बात निर्भयतापूर्वक कह सकें। ऐसे में यदि नेता विपक्ष को कोई बात कहने से रोका जाता है तो इसे जनतांत्रिक मूल्यों-परंपराओं का नकार ही कहा जायेगा। निर्वाचित सदस्यों से यह अपेक्षा अवश्य की जाती है कि वे अपनी मर्यादाओं का पालन करेंगे, पर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी बात सदन में कहने का अवसर और अधिकार मिलना ही चाहिए।

वहीं, एक बात यह भी समझने की है कि मतदाता सिर्फ सरकार ही नहीं चुनता, विपक्ष का भी चुनाव करता है। यदि वह एक पक्ष को सरकार चलाने का काम सौंपता है तो दूसरे पक्ष से वह यह अपेक्षा करता है कि वह सत्तारूढ़ पक्ष के काम-काज पर समुचित निगाह रखेगा। सदस्यों को सदन में अपनी बात कहने का अवसर देने का मतलब यही है कि हर सदस्य को अपना दायित्व निभाने का अवसर मिले। महज इसलिए कि किसी की बात से हम असहमत हैं, उसे बात कहने का मौका नहीं देंगे, या उसके बोलने में रुकावट डालेंगे, यह हर दृष्टि से अनुचित और अजनतांत्रिक है।

प्रसिद्ध फ्रांसीसी विचारक वाल्तेयर ने इस संदर्भ में बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही थी। उनका कहना था, 'मैं आपके विचार से असहमत हो सकता हूं, पर अपनी बात कहने के आपके अधिकार की रक्षा मैं अपने प्राण देकर भी करूंगा'। वाल्तेयर की यह सोच जनतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करने वाले हर व्यक्ति के लिए एक चुनौती है। हमें इस चुनौती को स्वीकार करना ही होगा। यदि हम ऐसा नहीं करते तो इसका अर्थ है हम उस व्यवस्था के मूल्यों में विश्वास नहीं करते जो हमने अपने लिए चुनी है।

उस दिन सदन में नेता प्रतिपक्ष को वह सब कहने दिया जाना चाहिए था जो वे जनरल नरवणे को उद्धृत करके कहना चाहते थे। यह उनका अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी था। उसी तरह सदन के नेता प्रधानमंत्री का भी अधिकार और कर्तव्य है कि वह प्रतिपक्ष द्वारा उठाये गये सवालों का जवाब देते। लोकसभा में ऐसा नहीं हुआ। होना चाहिए था। राज्यसभा में प्रधानमंत्री अपनी बात कह सकते थे। पर पता नहीं क्यों उन्होंने उन सवालों का जवाब देना ज़रूरी नहीं समझा, जो इस समूचे संदर्भ में उठ रहे हैं। यह सब मतदाता को हल्के में लेने का ही उदाहरण है। निर्वाचित प्रतिनिधियों का दायित्व बनता है कि वह मतदाता के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें। यह दुर्भाग्य ही है कि हमारी राजनीति से ईमानदारी कहीं गायब होती जा रही है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जिम्मेदार लोग ही अवैज्ञानिक बातें करेंगे तो क्या होगा?

पीटर सिंगर

2025 में अमेरिका में खसरे से दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। ये मौतें टाली जा सकती थीं। पिछले साल अमेरिका में खसरे के 2267 मामलों की पुष्टि हुई, जो 2024 के 285 मामलों से सात गुना से ज्यादा हैं और पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। ये सारे मामले टाले जा सकते थे। तो ऐसा हुआ क्यों नहीं?

पिछली फरवरी में ही अमेरिकी हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विस विभाग के सेक्रेटरी बनाए गए रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर बीते दो दशकों से वैक्सीन को ऑटिज्म से जोडने वाली बेबुनियाद थ्योरियों को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि वैक्सीन ने 'अमेरिकी बच्चों की पूरी पीढ़ी को जहर दे दिया है।' उनके ऐसे गैर-जिम्मेदार बयानों से ही अमेरिका में वैक्सीनेशन की दर घटी और नतीजतन खसरे के मामले तेजी से बढ़े।

पद संभालते ही कैनेडी ने एक प्रमुख वैक्सीन एडवाइजरी कमेटी से अनुभवी वैज्ञानिकों को हटाकर उनकी जगह वैक्सीन-विरोधी बैठा दिए। एम-आरएनए वैक्सीन डेवलपमेंट के लिए दी जा रही फंडिंग भी वापस ले ली।

यह वही तकनीक है, जिससे कोविड-19 के खिलाफ बेहद कारगर वैक्सीनों का तेजी से निर्माण संभव हो पाया था और लाखों जानें बच पाई थीं। कैनेडी ने ही खसरे के वैक्सीनेशन के विकल्प के तौर पर विटामिन-ए लेने का सुझाव दिया। इसके बाद टेक्सास में कुछ पैरेंट्स ने बच्चों को इतना विटामिन-ए दे दिया कि उनमें विषाक्तता के लक्षण दिखने लगे।

जन-स्वास्थ्य को लेकर वैज्ञानिक मानकों से मुंह मोड़ने की समस्या केवल अमेरिका में ही नहीं है। स्लोवाकिया में प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने ऑर्थोपेडिक सर्जन और वैक्सीन विरोधी एक्टिविस्ट पीटर कोटलार को महामारी से निपटने की जांच के लिए नियुक्त किया था।

अक्टूबर 2024 की रिपोर्ट में कोटलार ने कोविड-19 को 'एक्ट ऑफ बायो-टेररिज्म' बताया। बिना किसी सबूत के रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि एम-आरएनए वैक्सीन मानव डीएनए को बदल देती हैं।

एक स्वतंत्र समाज में लोग वैक्सीन के बारे में अपनी निराधार राय रख सकते हैं, वैज्ञानिक उनका खंडन कर सकते हैं और जन-स्वास्थ्य अधिकारी साक्ष्यों की जांच कर उचित कदम उठा सकते हैं। दुर्लभ मामलों में ही ऐसा होता है कि वैज्ञानिक सहमति के खिलाफ आए विचार सच साबित होते हों।

वैक्सीनें इतिहास के सबसे जांचे-परखे मेडिकल हस्तक्षेपों में से एक हैं, फिर भी कैनेडी जैसे लोग और अधिक अध्ययनों की मांग करते हैं। जबकि अपने दावों के समर्थन में वे किस्सों, सिलेक्टिव आंकड़ों और दवा कंपनियों के बारे में षडयंत्रपूर्ण थ्योरियों को भी सच मान लेते हैं।

जब वैक्सीनेशन कवरेज जरूरी सीमा से नीचे गिर जाता है तो 'हर्ड इम्युनिटी'- यानी आम आबादी में उच्च वैक्सीनेशन दर के कारण जोखिमपूर्ण आबादी को मिलने वाली सुरक्षा खत्म हो जाती है और रोकी जा सकने वाली बीमारियां भी लौट आती हैं।

ऐतिहासिक दृष्टांतों और रोमानिया व कनाडा के उदाहरणों से हम यह बात समझ भी चुके हैं, जहां खसरे को समाप्त मान लिया गया था। रोमानिया में साम्यवादी शासन के दौरान वैक्सीनेशन अनिवार्य था और खसरा खत्म हो चुका था।

चाउशेस्कु की तानाशाही के पतन से आजादी मिली और यूरोपियन यूनियन की सदस्यता मिलने से लोगों का जीवन-स्तर भी सुधरा, लेकिन कुछ वैक्सीन लगवाना स्वैच्छिक कर दिया गया। नतीजा ये रहा कि 2023 तक रोमानिया में खसरा वैक्सीनेशन दर 95% से घटकर 62% ही रह गई। 2024 में वहां खसरे के 30 हजार से ज्यादा मामले सामने आए, 23 मौतें भी हुईं। कुछ अधिकारी कहते हैं कि वे व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान कर रहे हैं। लेकिन दूसरों को नुकसान पहुंचाने के जोखिम पर यह आजादी नहीं दी जा सकती। वैक्सीनेशन से इनकार ठीक ऐसा ही करना है।

जब अधिकारी वैक्सीन को लेकर निराधार धारणाओं पर नीतियां बनाते हैं, तो खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ता है। टेक्सास में यही हुआ। इसकी जिम्मेदारी उन्हीं लोगों पर है, ?जिनके पास स्वास्थ्य-नीति बनाने की ताकत है। (@प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सामाजिक बदलाव के प्रेरणास्रोत

विवेक शुक्ला

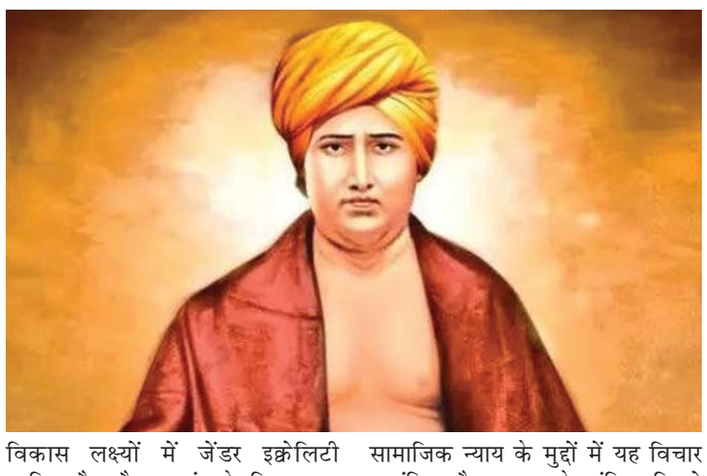

आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद के विचारों में धर्म, विज्ञान, समाज सुधार और राष्ट्रवाद का समन्वय था। अंग्रेजी राज के दौरान उन्होंने वेद, स्वदेशी, नारी शिक्षा व समानता का समर्थन किया वहीं अंधविश्वास व जातिप्रथा का विरोध किया। आज भी उनके विचार प्रासंगिक व प्रेरक हैं।

महर्षि दयानंद सरस्वती ने जीवन भर हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वासों के विरुद्ध आवाज उठाई। इस संन्यासी का जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने अंग्रेजी शासन के दौरान भी भारतीय संस्कृति की रक्षा की और राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया। हालांकि, सुधारवादी विचारों के चलते उनके कुछ शत्रु भी बन गये। 30 अक्तूबर, 1883 को अजमेर में उनकी हत्या कर दी गई, संभवत: जहर देकर। लेकिन उनकी मृत्यु के बाद भी उनके द्वारा स्थापित आर्य समाज फला-फूला और आज दुनिया में लाखों अनुयायी हैं।

21वीं सदी में, जब दुनिया वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति और सामाजिक परिवर्तनों से गुजर रही है, उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं व मार्गदर्शक का काम करते हैं। सबसे पहले, दयानंद सरस्वती ने महिलाओं को शिक्षा और समान अधिकार देने की बात की, जिसकी आज भी देश में लैंगिक असमानता के खिलाफ लड़ाई में प्रासंगिकता है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में जेंडर इक्वेलिटी शामिल है, और दयानंद के विचार इस दिशा में प्रेरक हैं। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन और बाल विवाह का विरोध किया, जो आज भी कानूनी और सामाजिक मुद्दे हैं।

महर्षि दयानंद ने शिक्षा पर बल दिया व उसे हरेक जाति और महिला-पुरुषों सभी के लिए अनिवार्य बताया। आज के भारत में, जहां साक्षरता दर बढ़ रही है लेकिन गुणवत्ता में कमी है, उनके वैदिक शिक्षा के मॉडल उपयोगी हैं जो नैतिकता, विज्ञान और तर्क पर आधारित हैं। आर्य समाज द्वारा स्थापित डीएवी स्कूल आज भी शिक्षा का प्रसार कर रहे हैं, जो उनके विचारों की व्यावहारिकता का प्रमाण हैं।

तीसरा, दयानंद सरस्वती ने कहा कि जन्म से नहीं, कर्म से जाति निर्धारित होती है। आज भारत में आरक्षण और सामाजिक न्याय के मुद्दों में यह विचार प्रासंगिक है। समाज के वंचित-पिछड़े लोगों के उत्थान के लिए उनके जैसे सुधार आवश्यक हैं, जो समावेशी समाज की नींव रखते हैं। चौथा, उन्होंने अंधविश्वासों को खारिज किया और तर्कपूर्ण जांच को प्रोत्साहित किया। आज के युग में, जब फेक न्यूज और स्यूडो-साइंस फैल रहे हैं, उनकी 'सत्यार्थ प्रकाश' जैसी रचनाएं तार्किक सोच सिखाती हैं। उन्होंने वेदों को विज्ञान से जोड़ा, जो आधुनिक हिंदू राष्ट्रवादियों और वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणा है। मसलन, पर्यावरण संरक्षण के लिए वेदों के सिद्धांत आज क्लाइमेट चेंज के खिलाफ लड़ाई में उपयोगी हैं।

पांचवां, राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक पुनरुत्थान। ऋषि दयानंद ने स्वदेशी और भारतीय संस्कृति की रक्षा की बात की, जो स्वतंत्रता संग्राम में प्रभावी साबित हुई। आज देश में जहां सांस्कृतिक पहचान और वैश्वीकरण का टकराव है, उनके विचार एकता और गौरव की भावना जगाते हैं। आर्य समाज के जरिये धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा दिया, जो बहुलवादी भारत के लिए जरूरी है।

दयानंद सरस्वती के विचार न केवल ऐतिहासिक महत्व रखते हैं, बल्कि आधुनिक चुनौतियों के मुकाबले के लिए उपकरण प्रदान करते हैं। सामाजिक न्याय, शिक्षा, लैंगिक समानता और तर्कपूर्ण सोच जैसे उनके सिद्धांत आज भी दुनिया को बेहतर बनाने में मददगार हैं। उनकी विरासत आर्य समाज के रूप में जीवित है, जो हमें याद दिलाती है कि सत्य की खोज कभी पुरानी नहीं होती। दयानंद सरस्वती जैसे सुधारक प्रेरित करते हैं कि परिवर्तन स्वयं व्यक्ति से शुरू होता है और समाज को बदल सकता है।

दयानंद सरस्वती ने पूरे भारत का भ्रमण कर विभिन्न गुरुओं से ज्ञान प्राप्त किया और वेदों का गहन अध्ययन किया। उन्होंने योगी और संन्यासी के रूप में जीवन व्यतीत किया। वर्ष 1860 में संन्यास ग्रहण किया और दयानंद सरस्वती नाम धारण किया। उनका मुख्य उद्देश्य था हिंदू धर्म को उसके मूल रूप में लौटाना, जो वेदों पर आधारित था। उनका मानना था कि वेद ईश्वर का शाश्वत ज्ञान हैं और वे विज्ञान, नैतिकता और सामाजिक न्याय के स्रोत हैं।

वर्ष 1875 में बॉम्बे में आर्य समाज की स्थापना दयानंद सरस्वती के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य था। आर्य समाज एक ऐसा संगठन था, जो वेदों की वापसी का नारा देता था—'वेदों की ओर लौटो'। इस संगठन के जरिये उन्होंने जाति प्रथा, बाल विवाह, सती प्रथा और विधवा विवाह की मनाही जैसी कुरीतियों का विरोध किया। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा और समान अधिकारों की वकालत की, जो उस समय क्रांतिकारी विचार थे। आर्य समाज ने शुद्धि आंदोलन चलाया, जिसके तहत दूसरे मतों में परिवर्तित हुए लोगों को वापस हिंदू धर्म में लाया जाता था। दयानंद सरस्वती ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख साधन माना और लड़कों तथा लड़कियों दोनों के लिए वैदिक स्कूल स्थापित किए।

उनकी प्रमुख रचना 'सत्यार्थ प्रकाश' 1875 में प्रकाशित हुई, जो हिंदू धर्म की व्याख्या और अन्य मतों की आलोचना करती है। इस पुस्तक में उन्होंने वेदों को आधार बनाकर तर्क के साथ धर्म की स्थापना का विचार प्रतिपादित किया। महर्षि दयानंद ने कर्म और पुनर्जन्म के सिद्धांतों पर जोर दिया, साथ ही ब्रह्मचर्य और ईश्वर भक्ति को जीवन का मूल बताया। दयानंद सरस्वती के विचारों में विज्ञान और धर्म का समन्वय था; उन्होंने कहा कि वेदों में आधुनिक विज्ञान के बीज मौजूद हैं, जैसे कि पृथ्वी का गोलाकार होना और गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत।

जन समस्याओं का हल सांत्वना का भ्रम

सालाना बजट आज महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां-तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है। बुनियादी आर्थिक समस्याओं के हल की बात उसके दायरे से बाहर हो चुकी है।

कांग्रेस की राय में केंद्रीय बजट अर्थव्यवस्था की बुनियादी चुनौतियों से आंख मिलाने में नाकाम रहा। दरअसल, पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने तो यहां तक कहा कि वित्त मंत्री ने उन चुनौतियों को सिरे से नजरअंदाज कर दिया।

मसलन, अमेरिकी टैरिफ से कारखाना उत्पादकों और निर्यातकों के सामने आई चुनौतियों, व्यापार घाटे, निम्न ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन, एफडीआई की अनिश्चितता, राजकोषीय सेहत में सुधार की धीमी गति, महंगाई के सरकारी आंकड़ों एवं अनुभवजन्य स्थिति में फर्क, लाखों एमएसएमई इकाइयों के बंद होने, बेरोजगारी, और शहरी बुनियादी ढांचे में लगातार गिरावट पर निर्मला सीतारमन ने चुप्पी साध ली। ये आलोचना वाजिब है। यह हकीकत है कि आज सालाना बजट महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां-तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है।

मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था जब असल में मोनोपॉली पूंजीवाद का रूप ले चुकी हो, तो बिना उस ढांचे को चुनौती दिए सरकारें अक्सर ढांचागत समस्याओं का हल निकालने में अक्षम हो जाती हैं। नतीजतन, बजट के जरिए शायद ही बाजार में मांग और निजी निवेश की स्थितियां बनाई जा सकती हैं। बिना ऐसा हुए ना तो रोजगार सृजन संभव है, और ना ही मानव विकास या रहन-सहन की बेहतर सूरत बनाना।

देसी बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं नहीं होगी, तो भारतीय उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में टिकने की बात महज एक खामख्याली ही है। बाकी जहां तक व्यापार घाटा, पर्याप्त मात्रा में एफडीआई ना आना या पोर्टफोलियो इन्वेस्टरों के भारत से पैसा निकालने, या रुपये की कीमत मे गिरावट की बात है, तो वे जारी हालात के नतीजे हैं। यथार्थ तो यह है कि लगातार अपनी ताकत कॉरपोरेट सेक्टर को ट्रांसफर करती गई सरकार की अब ऐसे मसलों का हल ढूंढने की काबिलियत अब काफी हद तक क्षीण हो चुकी है।

इस हाल में आबादी के कुछ समूहों को नकदी हस्तांतरण कर चुनावी लाभ की योजनाएं शुरू करने से आगे कुछ करने को वह सोच नहीं पाती। उन योजनाओं के जरिए जन समस्याओं का हल करने की सांत्वना का भ्रम वह पैदा करती है। इस बार भी वह इतना ही कर पाई।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

आवास ऋण : जोन कार्यालयों में 16 से 19 फरवरी तक

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् आवास दिवस के रूप में आवास लोन मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष पहल के माध्यम से ऐसे हितग्राही, जिन्हें अपने मकान निर्माण या खरीद हेतु बैंक लोन की आवश्यकता है, वे इस मेले में शामिल होकर विभिन्न बैंकों से सीधे संपर्क कर आवास ऋण की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। यह मेला 16 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय बोरसी, 17 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय आदित्य नगर, 18 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय उरला तथा 19 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय पद्मनाभपुर में आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक स्थल पर मेला सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक लगेगा।

निगम स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता को पितृशोक

दुर्ग। नेहरूनगर निवासी राजकुमार गुप्ता का निधन 10 फरवरी को रात 9:15 बजे 85 वर्ष की उम्र में हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 11 फरवरी को सुबह 12 बजे निवास स्थान ब्लॉक 86 प्लॉट 18 19 नेहरू नगर पूर्व से शिवनाथ नदी मुक्तिधाम के लिए निकली। वे मोनेश गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, राजेश गुप्ता एवं मनीषा कटकवार डोगरगढ़ के पिता एवं अनिल गुप्ता एवं अशोक गुप्ता के बड़े भाई थे।

15 फरवरी को मांस मटन की दुकानें रहेंगी बंद

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन पर्यावरण एवं नगरीय प्रशासन विकास विभाग के आदेशानुसार नगर पालिक निगम, भिलाई सीमा अंतर्गत संचालित पशुवध गृह एवं समस्त मांस, मटन विक्रय की दुकानें 15 फरवरी महाशिवरात्रि के पर्व के अवसर पर बंद रखी जाएगी। उक्त तिथि को समस्त पशुवध गृह, जीव हत्या एवं समस्त मांस बिक्री केन्द्र को बंद करते हुए शासन के आदेशों का कड़ाई से पालन किया जावे।

सीएम नर्सिंग कॉलेज में दी नई शिक्षा प्रणाली की जानकारी

भिलाई। सीएम नर्सिंग कॉलेज भिलाई में नई शिक्षा प्रणाली पर व्याख्यान हुआ। इसके मुख्यवक्ता देवेंद्र कुमार ने नई शिक्षा प्रणाली, पारिवारिक संबंध और कौशल विकास पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा प्रणाली में जीवनोपयोगी पहलू हैं। इसमें मानसिक, व्यक्तित्व विकास, आर्थिक आजादी और अपने स्वास्थ्य की देखभाल की जानकारी दी गई है। विद्यार्थियों को आने वाले भविष्य के लिए प्रेरणादायक जानकारी दी गई। उन्होंने छात्र-छात्राओं को लोक व्यवहार, आदर्श स्वास्थ, अवचेतन मन की शक्ति आदि के बारे में बताया। इसे नई शिक्षा प्रणाली के वर्तमान पाठ्यक्रम में शामिल कर युवा पीढ़ी के लिए कारगर बताया। उन्होंने सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं, लोक व्यवहार, सकारात्मक सोच और उच्च मानसिक विचार भी जरूरी है। पारिवारिक संबंध, सम्मान, समय और पैसों का सामंजस्य बनाना होगा।

हीमोफीलिया पीड़ित की मदद के लिए आगे आए विधायक रिकेश, जीवनरक्षक दवा उपलब्ध कराई

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक हीमोफीलिया पीड़ित छात्र की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। कक्षा दसवीं के छात्र आरूष के लिए विधायक ने तत्काल हीमोफीलिया बी फेक्टर-9 इंजेक्शन की व्यवस्था की और उसे छात्र की माता शारदा पखाले को सौंपा।

छात्र आरूष हीमोफीलिया बी (फेक्टर-9 की कमी) से पीड़ित है। इस बीमारी में शरीर में क्लॉटिंग फैक्टर्स की कमी के कारण चोट लगने पर खून आसानी से नहीं जमता, जिससे आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव का गंभीर खतरा बना रहता है। समय पर इंजेक्शन न मिलने से असहनीय दर्द और अंगों के खराब होने का डर रहता है। आरूष की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू होने वाली हैं। ऐसे नाजुक समय में परिवार इंजेक्शन की अनुपलब्धता के कारण काफी परेशान

था। परिजनों ने जब विधायक रिकेश सेन से मदद की गुहार लगाई, तो उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल इंजेक्शन मंगवा कर पाखले परिवार को राहत पहुंचाई।

विधायक श्री सेन ने केवल तात्कालिक सहायता ही नहीं की बल्कि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न आए, इसके लिए ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने सिविल सर्जन और सुपेला शासकीय अस्पताल प्रभारी से सीधी चर्चा की।

सुपेला अस्पताल में भविष्य के लिए 'हीमोफीलिया फेक्टर-9' इंजेक्शन की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। विधायक ने परिवार को आश्वस्त किया कि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी ऐसी दिक्कतों का सामना अब दोबारा नहीं करना पड़ेगा। श्री सेन ने कहा कि जनता की सेवा और विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा में आने वाली बाधाओं को दूर करना मेरी प्राथमिकता है। आरूष अपनी परीक्षा बिना किसी शारीरिक कष्ट के दे सके यही कोशिश है।

नगर पालिक निगम, भिलाई के जोन 5 में ड्रोन से संपत्तियों का सर्वे प्रारंभ

नगर निगम ने आम नागरिकों से की सहयोग प्रदान करने की अपील

यह होगा लाभ
- संपत्तियों के वास्तविक क्षेत्रफल का पता लगेगा
- निर्माण की सटीक जानकारी मिलेगी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत संपत्तियों के सटीक निर्धारण और डेटा अपडेट करने के उद्देश्य से जोन क्रमांक 5 में ड्रोन सर्वे का कार्य विधिवत प्रारंभ कर दिया गया है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से किए जा रहे इस सर्वे से क्षेत्र की संपत्तियों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा।

सर्वे कार्य के शुभारंभ के अवसर पर निगम और सर्वे टीम के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। इसमें मुख्य रूप से जोन क्रमांक 5 के सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, गणित बघेल, टेकराम हरिन्द्रवार सहित आई.आई.टी के सर्वे प्रभारी शैलेश कुमार एवं उनकी तकनीकी टीम शामिल थी। ड्रोन सर्वे के जरिए संपत्तियों के क्षेत्रफल और निर्माण की सटीक जानकारी मिल सकेगी। डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होने से राजस्व वसूली में पारदर्शिता आएगी और विसंगतियां दूर होंगी। यह डेटा भविष्य में शहरी नियोजन और नागरिक सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निगम प्रशासन ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे सर्वे टीम को आवश्यक सहयोग प्रदान करें ताकि यह कार्य समय सीमा के भीतर और शुद्धता के साथ पूर्ण किया जा सके।

बीएसपी के डॉक्टर उदय की फिल्म 'रमाई' को अच्छा प्रतिसाद, माता की भूमिका में दिखेंगी प्रेरणा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड-सेल में भिलाई स्टील प्लांट के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में पदस्थ सीएमओ डॉक्टर उदय को दर्शक इन दिनों संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की भूमिका में खूब पसंद कर रहे हैं। बॉलीवुड मूवी 'रमाई' में डॉ. उदय ने यह भूमिका निभाई है। वहीं उनकी पत्नी और पूर्व मिसेज यूनिवर्स प्रेरणा धाबर्डे इस फिल्म की केंद्रीय भूमिका में है।

देशभर में मूवी रिलीज हो चुकी है। शहर के कई सिनेमा हॉल में शो चल रहे हैं। इसे देखने के लिए जन प्रतिनिधियों के साथ लोग पहुंच रहे हैं। पूर्व विधायक अरुण वोरा, दुर्ग महापौर धीरज बाकलीवाल और विधायक रिकेश सेन ने भी फिल्म देखने के बाद धाबर्डे दंपति के अभिनय की तारीफ की है।

डॉक्टर उदय ने इस फिल्म के बारे में बताया कि-बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की विश्व व्यापी छवि के पीछे उनकी पत्नी रमाबाई अंबेडकर का भी हाथ है। सब श्रद्धा और प्यार से उन्हें रमाई कहते हैं, उनका बहुत बड़ा योगदान था। रमाई हिंदी फिल्म में हर स्त्री की त्याग, संघर्ष, बलिदान की कहानी दिखाने की कोशिश की है, जो पर्दे के पीछे रहकर अपने पति, परिवार समाज और देश के लिए करती है।

इस फिल्म की प्रोड्यूसर कृष्ण चौहान है। फिल्म को प्रेरणा यूनिवर्सल फिल्म ने प्रेजेंट किया है। शूटिंग भिलाई और मुंबई में हुई है और अधिकांश कलाकार छत्तीसगढ़ के हैं।

फिल्म में शाहू महाराज बड़ौदा नरेश के भूमिका प्रसिद्ध कलाकार रजा मुराद ने निभाई है, जिनके शानदार अभिनय और बुलंद आवाज के सभी दीवाने हैं। बाबा साहेब के बड़े भाई की भूमिका में भिलाई के ही नत्था उर्फ ओमकार दास मानिकपुरी ने अपने अभिनय के जलवे दिखाए हैं। फिल्म का संगीत बहुत ही कर्म प्रिय है और इसके संगीतकार मुंबई के संगीतकार दिनेश अर्जुन है। फिल्म में बॉलीवुड सिंगर वैशाली माड़े (पिंगा ग पोरी पिंगा फिल्म बाजीराव मस्तानी) तथा सुहासिनी बेलोन्डे (करीब बॉलीवुड फिल्म। चोरी चोरी नजरे मिली), दिनेश अर्जुन और डॉक्टर नेहा ने अपने मधुर आवाज से इस फिल्म में जान डाल दी है।

इस फिल्म के मुख्य किरदार रमाबाई आंबेडकर माता रमाई का किरदार पूर्व मिसेज यूनिवर्स का खिताब 2003 में यूरोप से जीत कर आई भिलाई की गौरव प्रेरणा धाबर्डे ने निभाया है। इस किरदार में अपने इमोशन और सादगी भरे अभिनय से दर्शकों की आंखों में आंसू लाने में कामयाब रही है।

फिल्म बहुत ही शिक्षाप्रद, सामाजिक और प्रेरणादायक है। यह हर घर, समाज ,देश- विदेश की सामान्य नारी की कहानी है, उसके संघर्ष की कहानी है।

सेल वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र टीम का सेलेक्शन ट्रायल हुआ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्गापुर इस्पात संयंत्र द्वारा दिनांक 24 से 27 फरवरी 2026 तक दुर्गापुर में सेल वालीबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में सेल कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली से संबद्ध विभिन्न इस्पात संयंत्रों की टीमें भाग लेंगी। भिलाई इस्पात संयंत्र की वालीबॉल टीम भी प्रतियोगिता में सहभागिता करेगी।

भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम के गठन हेतु क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा 12 फरवरी 2026 को सायं 4:00 बजे वालीबॉल कॉम्प्लेक्स, पंत स्टेडियम, सेक्टर-1, भिलाई में चयन स्पर्धा आयोजित की जाएगी। भिलाई इस्पात संयंत्र के इच्छुक पुरुष कर्मचारी, जो चयन स्पर्धा में भाग लेना चाहते हैं, वे दिनांक 12 फरवरी 2026 को सायं 4:00 बजे तक वालीबॉल कॉम्प्लेक्स, पंत स्टेडियम, सेक्टर-1, भिलाई में उपस्थित होकर निम्नलिखित चयनकर्ताओं के पास अपना नाम दर्ज करा सकते हैं— दीपक मित्रा (9407986416), विनोद नायर (9406206767) निजामुद्दीन (9179580769), बीएस श्रीनिवास राव (9407977675) तथा शेख महमूद (9407985739)।

अवकाश प्राप्त कार्मिक कैसे दे पाएंगे 15 से 17 हजार रुपए किराया? इस्पात सचिव को ज्ञापन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय और सांसद विजय बघेल ने केंद्रीय इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी से भिलाई इस्पात संयंत्र टाउनशिप से जुड़े गंभीर मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में टाउनशिप के कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को प्रभावित करने वाली नीतिगत समस्याओं पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इस्पात मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिये।

श्री पाण्डेय ने बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र केवल औद्योगिक उत्पादन की इकाई नहीं है, बल्कि एक सुव्यवस्थित टाउनशिप भी है, जहाँ लाखों लोग रहते हैं। वर्षों से यहाँ कर्मचारी, सेवानिवृत्त अधिकारी, व्यापारी और विभिन्न संस्थानों से जुड़े लोग अपने परिवारों के साथ निवास करते आए हैं। लेकिन हाल के समय में संयंत्र प्रबंधन द्वारा किराए, लीज प्रीमियम और आवासीय नीतियों में की गई अत्यधिक वृद्धि ने नागरिकों पर भारी आर्थिक बोझ डाल दिया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2007 से लागू रिटेंशन स्कीम योजना के अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पूर्व निर्धारित दरों पर आवास उपलब्ध कराया जाता था। यदि निर्धारित अवधि के बाद आवास खाली नहीं किया जाता, तो 32 गुना किराया वसूला जाता था। लेकिन नवंबर 2025 से इस व्यवस्था को समाप्त कर सीधे 24 प्रति वर्गफुट की दर लागू कर दी गई। इसके चलते 700 वर्गफुट के क्वार्टर में रहने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अब 15,000 से 17,000 तक मासिक किराया देना पड़ रहा है।

उन्होंने इसे अव्यावहारिक और अन्यायपूर्ण बताते हुए पूर्व व्यवस्था को पुन: लागू करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त टाउनशिप में बैंक, डाक विभाग, पुलिस और शिक्षा विभाग जैसे संस्थानों के कर्मचारियों को भी बीएसपी द्वारा आवास किराए पर दिए जाते रहे हैं। पहले इनका किराया 5 प्रति वर्गफुट था, लेकिन नवंबर में एकाएक 60 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई।

पुस्तक भिलाई जिंदाबाद पर समीक्षा गोष्ठी का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। मूलनिवासी कला साहित्य के तत्वावधान में पुस्तक समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। लेखक एवं पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन की हालिया प्रकाशित किताब 'भिलाई जिंदाबाद, कुछ किस्से-कुछ कहानियां' पर प्रमुख वक्ताओं ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने भिलाई को जानने समझने के लिए इसे एक जरूरी किताब बताया।

प्रसिद्ध कहानीकार मिर्जा हफीज बेग ने कहा कि कई मायनों में उन्हें यह किताब अपनी आपबीती सी लगती है। भिलाई में जन्म लेने और भिलाई स्टील प्लांट का सेवानिवृत्त कर्मी होने के नाते इनमें से बहुत से घटनाक्रम से वह खुद भी रूबरू हुए है। उन्होंने कहा कि यह किताब लेखक की पिछली किताब वोल्गा से शिवनाथ तक के आगे का सिलसिला है और उसमें रह गई कमियों को पूरा करती है।

वरिष्ठ रंगकर्मी राकेश बम्बार्डे ने कहा कि जिन्हें अपने शहर भिलाई से प्यार है और जो भिलाई को जानना-समझना चाहता है, वह सभी इस किताब को जरूर पढ़ेंगे। शायर मुमताज ने भिलाई की संस्कृति को किताब के माध्यम से सामने लाने के लिए लेखक की सराहना की और चंद अशआर सुनाए। सुनील हरिशचंद्र रामटेके ने कहा कि लेखक ने पिछली किताब 'वोल्गा से शिवनाथ तक' में भिलाई के योगदान पर भारतीय और रूसी लोगों के योगदान पर बेहद रोचक ढंग से तथ्यों को रखा था। वही शैली इस किताब में बरकरार है।

भिलाई स्टील प्लांट के ऊर्जा प्रबंधन विभाग में जनरल मैनेजर कमल टंडन ने कहा कि भिलाई सही मायनों में लघु भारत है और इसका रोचक इतिहास जानने यह किताब सहायक होगी। कवि लक्ष्मीनारायण कुम्भकार ने कहा कि इतिहास को रोचक ढंग से प्रस्तुत करना भी एक चुनौती है और इसे लेखक ने बखूबी पूरा किया है।

आकाशवाणी रायपुर के कार्यक्रम प्रमुख पंकज मेश्राम ने कहा कि एक पत्रकार का न केवल स्वतंत्र होना जरूरी है बल्कि उसका निर्भीक होना और निष्पक्ष होना उतना ही जरूरी है। वो सारे गुण लेखक में मौजूद है।

संचालन कर रहे सेवानिवृत्त अपर कलेक्टर विश्वास मेश्राम ने कहा कि जिस भिलाई को हमने देखा और जीया है, वह बदल रहा है। आज के भिलाई की जो तस्वीर हम देखते हैं, उसे देखकर बहुत खुशी नहीं होती बल्कि एक दर्द सा उठता है। जब अगली पीढ़ी हमारे उस भिलाई को ढूंढेगी जो वह आरंभिक 50 वर्षों में थी तो उनकी तलाश इस किताब में पूरी होगी।

बीएसपी अंतरविभागीय फुटबॉल प्रतियोगिता 24 फरवरी से प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा अंतर विभागीय फुटबॉल प्रतियोगिता-2026 का आयोजन दिनांक 24 फरवरी 2026 से 03 मार्च 2026 तक बीएसपी फुटबॉल ग्राउंड, पंत स्टेडियम, सेक्टर-01, भिलाई में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र के सभी नियमित एवं प्रशिक्षु कर्मचारी भाग ले सकते हैं।

प्रतियोगिता के आयोजन हेतु दिनांक 19 फरवरी 2026 को प्रात: 11:30 बजे उप महाप्रबंधक (क्रीड़ा सांस्कृतिक एवं नगर सुविधाएं विभाग) राजेन्द्र प्रसाद के कार्यालय में एक समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रतियोगिता से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने विभागीय प्रतिनिधि को उक्त बैठक में सहभागिता हेतु नामित करें।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों का गठन निम्नानुसार जोन वार किया गया है। संकार्य जोन में आयरन जोन, स्टील जोन, मिल्स जोन एवं गुणवत्ता जोन तथा अनुरक्षण एवं उपयोगिताएँ शामिल हैं। वहीं गैर-संकार्य जोन में सामग्री प्रबंधन, प्रशासन, नगर सेवाएँ, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ, खदान, मानव संसाधन विभाग तथा सर्विसेस जोन सम्मिलित हैं। प्रत्येक टीम को अपनी प्रविष्टि संबंधित विभाग के माध्यम से क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ को देनी होगी।

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

रायपुर प्रेस क्लब की पहलः आईटीएसए अस्पताल में सदस्यों को रियायती उपचार की सुविधा

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब अपने सदस्यों के हित में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शहर के प्रतिष्ठित आईटीएसए अस्पताल प्रबंधन समूह के साथ रियायती उपचार को लेकर सहमति पर पहुंच गया है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहन तिवारी के नेतृत्व में कार्यकारिणी द्वारा शहर के प्रमुख अस्पतालों से लगातार संवाद किया जा रहा है। इसी क्रम में आईटीएसए समूह ने प्रेस क्लब को औपचारिक सहमति पत्र सौंप दिया है। सहमति के तहत प्रेस क्लब सदस्यों को कंसल्टेंट फीस में 40 प्रतिशत, लेबोरेटरी टेस्ट और रेडियोलॉजी जांच में 25-25 प्रतिशत तथा ओपीडी फार्मेसी में 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए प्रेस क्लब और अस्पताल प्रबंधन की ओर से संयुक्त पहचान पत्र जारी किया जाएगा। महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू और भूपेश जांगड़े ने इस पहल के लिए अस्पताल प्रबंधन का आभार जताया। अध्यक्ष मोहन तिवारी ने बताया कि अन्य अस्पतालों से भी चर्चा जारी है।

बाल एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए प्रतिबद्धतापूर्वक करें कार्य : कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि जिले में बाल एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए समर्पित एवं प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्य में लापरवाही बरतने वाले चिकित्सकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सक्रियता एवं ईमानदारी से कार्य करें। जिले में किसी भी महिला एवं नवजात शिशु की मृत्यु न हो, इसके लिए हरसंभव कार्य करें। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की निरंतर मानिटरिंग करें एवं समय पर गर्भवती माताओं को हॉस्पिटल लेकर जाएं। कलेक्टर ने सभी मितानिनों के माध्यम से गर्भवती माताओं के एनएनसी जांच, उपचार एवं देखभाल तथा मानिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए गर्भवती माताओं एवं उनके परिजनों की काउंसलिंग करें। उन्होंने शिशु एवं मां की देखभाल के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं जागरूकता के निर्देश दिए।

शासकीय महाविद्यालय पाली में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब का हुआ गठन

कोरबा। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिले के सभी मतदान केंद्रों, सभी हायर सेकेण्डरी स्कूलों, कॉलेजों, उच्च शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब गठित की जा रही हैं। इसी कड़ी में आज 11 फरवरी को शासकीय नवीन महाविद्यालय पाली में सहायक जिला स्वीप नोडल अधिकारी सतीश प्रकाश सिंह की उपस्थिति में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ई.एल.सी) का गठन किया गया। इस अवसर पर मतदाता साक्षरता क्लब (ई.एल.सी.) एवं विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर) के महत्व पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उपस्थित ई.एल.सी. क्लब के मेंबर्स, युवा छात्र -छात्राओं को सम्बोधित करते हुए सहायक जिला स्वीप नोडल अधिकारी सतीश प्रकाश सिंह ने मतदाता साक्षरता क्लब के गठन के उद्देश्यों के बारें में बताया।

नाबार्ड की 'ग्राम दुकान' से स्व-सहायता समूह की महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने स्वयं सहायता समूहों को ग्रामीण बाजार स्थापित करने के लिए अनुदान सहायता प्रदान करने का निर्णय लकर महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित की है।

इन बाजारों का उद्देश्य महिला स्व-सहायता समूहों को उनके हस्तनिर्मित उत्पादों के विपणन के लिए एक मंच प्रदान करना और उन्हें बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा संचालित 'ग्राम दुकान' पहल स्वसहायता समूह की महिलाओं के जीवन स्तर को उन्नत बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। राजनांदगांव स्थित पाताल भैरवी मंदिर के पास स्थापित ग्राम दुकान महिला समूहों के लिए अपने हुनर, कौशल एवं लघु उद्यम को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। इस ग्राम दुकान में महिला स्वसहायता समूह द्वारा स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इनमें पूजा सामग्री, अचार, पापड़, मुरकू, नड्डा, बिजौरी, मुरब्बा, मोमबत्ती, अगरबत्ती, साबुन, जिमीकंद, फूल, मशरूम, कपड़े, विविध खाद्य सामग्री, मसाले, दोना-पत्तल, डेकोरेशन आइटम्स तथा अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं। महिला समूह अपने उत्पादों की आकर्षक पैकेजिंग कर ग्राम दुकान के माध्यम से उनका विक्रय कर रही हैं, जिससे उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है। ग्राम दुकान की संचालिका निशा मंडावी ने बताया कि पाताल भैरवी मंदिर के समीप स्थित होने के कारण यहां आने वाले श्रद्धालुओं से उत्पादों को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। ग्राम दुकान योजना के अंतर्गत समूह की महिलाओं को नाबार्ड ने निःशुल्क दुकान उपलब्ध कराई गई है, जिससे उन्हें अपने उत्पादों की बिक्री के लिए सुलभ और स्थायी मंच मिल गया है।

यह पहल ग्रामीण महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है। नाबार्ड की यह पहल महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने का उत्कृष्ट उदाहरण बन रही है।

अंतरराज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी जांच चौकियों को अन्य राज्यों की मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाएः आबकारी आयुक्त

मदिरा एवं मादक पदार्थों के अवैध संग्रहण परिवहन और बिक्री पर होगी कड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आबकारी विभाग की सचिव सह आबकारी आयुक्त आर. शंगीता ने नवा रायपुर स्थित कार्यालय में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और आगामी महीनों के लिए जिलेवार विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी जिलों, उड़नदस्ता, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर सचिव सह आयुक्त ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति हेतु ठोस रणनीति अपनाने, दुकानवार समीक्षा करने और अनुशासन के साथ कार्य संपादन के निर्देश दिए।

सचिव सह आबकारी आयुक्त श्रीमती शंगीता ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं की मांग के अनुसार मदिरा स्कंध का संधारण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया किया मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं के मांग के अनुरूप मदिरा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री न हो। उन्होंने अधिकारियों को मदिरा दुकानों में नियम और अनुशासन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। दुकानों में उपलब्ध मदिरा को नियमानुसार दरों सहित रैकों में प्रदर्शित करने कहा गया, ताकि उपभोक्ताओं को पारदर्शिता और सुविधा मिल सके।

श्रीमती शंगीता ने बैठक में राजस्व लक्ष्य की जिलेवार समीक्षा करते हुए जिन जिलों ने जनवरी माह तक लक्ष्य की प्राप्ति की है, उन्हें सतत् कार्य जारी रखने के निर्देश दिए गए। वहीं लक्ष्य से पीछे चल रहे जिलों को इसके कारणों की दुकानवार समीक्षा कर कमी की पूर्ति हेतु विस्तृत कार्य-योजना बनाकर तत्परता से अमल में लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों को इस बात की स्पष्ट हिदायत दी कि मदिरा में किसी प्रकार की मिलावट न होने पाए। इसके लिए सभी जिला अधिकारी सप्ताह में कम से कम दो दिन आकस्मिक निरीक्षण करने और वहां पाई गई अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई और दोषी कर्मचारियों को तत्काल कार्यमुक्त कर ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, दुकानों में पेटीएम या अन्य कैशलेस भुगतान को बढ़ावा देने के लिए पृथक काउंटर की व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए।

सचिव सह आयुक्त ने प्रदेश में संचालित बारों, क्लबों, होटलों और ढाबों की आकस्मिक जांच करने तथा समय पश्चात संचालन अथवा अवैध मदिरा विक्रय करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध मदिरा एवं अन्य मादक पदार्थों के निर्माण, परिवहन, तस्करी और विक्रय पर सख्त नियंत्रण रखने हेतु आवश्यकता पड़ने पर पुलिस विभाग से सहयोग लेने के निर्देश दिए गए।

राज्य की अंतरराज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी जांच चौकियों को अन्य राज्यों की मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने और सीसीटीवी कैमरों के सुचारू संचालन की निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा विभाग में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई तथा कर्मचारियों के पेंशन और अनुकम्पा नियुक्ति से संबंधित प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेज कॉपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक पदुम सिंह एल्मा, विशेष सचिव आबकारी विभाग देवेन्द्र सिंह भारद्वाज सहित मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, संभागीय व जिला आबकारी अधिकारी उपस्थित थे।

मां से बिछड़कर खेत में पहुंचा चार माह का तेंदुए का शावक

ग्रामीणों के सहयोग से वन विभाग ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गौरतलब है कि श्रृंगी ऋषि पहाड़ी की तराई में स्थित खेतों में ग्रामीणों ने लगभग चार माह के तेंदुए के शावक को देखा। संभावना है कि शावक अपनी मां से बिछड़कर भटकते हुए रिहायशी क्षेत्र तक पहुंच गया था। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से शावक को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया।

राज्य में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में वन विभाग ने एक और सराहनीय कार्य किया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के दिशा-निर्देशों में धमतरी जिले के नगरी-सिहावा क्षेत्र अंतर्गत बिरगुड़ी वन परिक्षेत्र के ग्राम छिपली पारा में तेंदुए के एक शावक का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

रेस्क्यू के बाद विभागीय प्रक्रिया के तहत शावक को नगरी स्थित पशु चिकित्सालय ले जाया गया, जहां पशु चिकित्सकों द्वारा उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच में शावक पूरी तरह स्वस्थ पाया गया। रेंज अधिकारी श्री सुरेंद्र कुमार ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार शावक को आगे की देखभाल और सुरक्षित वातावरण के लिए नया रायपुर स्थित जंगल सफारी भेजा गया है। नगरी-सिहावा क्षेत्र सघन वनों और पहाड़ी भू-भाग के कारण तेंदुए और अन्य वन्यजीवों के लिए उपयुक्त प्राकृतिक आवास माना जाता है। वन विभाग की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से न केवल वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है, बल्कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में भी मदद मिल रही है। गांव के ग्रामीणों की सूझबूझ और जिम्मेदारी की खुलकर सराहना की है।

सीनियर महिला वनडे में छत्तीसगढ़ की एक और जीत, चंडीगढ़ को 20 रनों से हराया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित सीनीयर वुमेंस वनडे क्रिकेट टुर्नामेंट 2025-26 में छत्तीसगढ़ महिला टीम ने एक और जीत दर्ज की। छत्तीसगढ़ की टीम का तिसरा मैच मंगलवार को बडौदरा में चंडीगढ के विरुद्ध खेला गया। इस मैच में छत्तीसगढ़ ने 20 रनों से जीत दर्ज की। यह छत्तीसगढ़ वुमेन्स टीम की लगातार तीससरी जीत है।

वडेदरा में खेले गए इस मैच में चंडीगढ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 182 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से शील्पा साहु ने 52 रन तथा श्रृष्टि शर्मा ने 50 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त प्रिति यादव ने 26 रन तथा अदिती पंवार ने 22 नाबाद रन बनाये। चंडीगढ टीम की ओर से तरुनिका ने 5 विकेट प्राप्त किया। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चंडीगढ की टीम 50 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 162 रन ही बना सकी। चंडीगढ की ओर से तानीया भाटीया ने 70 रनों की पारी खेली तथा मोनीका बिश्नोंई ने नाबाद 36 रनों की पारी खेली। उनके अतिरिक्त मोनीका पांडे ने 18 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से बांय हाथ की स्पीन गेंदबाज श्रेया श्रीवास ने शानदार गेंदबाजी करते हुये 5 विकेट प्राप्त किये। प्रिती यादव, उर्मिला हरीना तथा अदिती पंवार ने 1-1 विकेट प्राप्त किये।

सरोना में वार्षिक उत्सव 'उमंग' का भव्य आयोजन, शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करने वाले छात्र-छात्राएं हुए पुरस्कृत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वामी आत्मानंद विद्यालय, सरोना में वार्षिक उत्सव 'उमंग' का भव्य एवं हर्षोल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आयोजन विद्यालय के प्राचार्य रवि शंकर सोनी के कुशल नेतृत्व में किया गया। पूरे विद्यालय परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया था तथा विद्यार्थियों, अभिभावकों और अतिथियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

इस गरिमामय अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में रायपुर नगर पालिका निगम की महापौर श्रीमती मीनल छगन चौबे, मंडल अध्यक्ष विशेष शाह, पार्षद अर्जुन यादव, केपीएस स्कूल के संचालक, संकल्प हॉस्पिटल के प्रतिनिधि तथा सरोना नोडल अंतर्गत आने वाले सभी शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख उपस्थित रहे। अतिथियों का विद्यालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में विधायक महोदय ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए 10-10 हजार रुपये के चेक प्रदान किए। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम और अनुशासन के साथ आगे बढने की प्रेरणा दी। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने भी विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

शैक्षणिक उपलब्धियों में हाई स्कूल सीजी बोर्ड परीक्षा में भूपेश देवांगन ने 94.6 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, अथर्व चौहान ने 94.1 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा हिमांशु बैठाव ने 92 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। हायर सेकेंडरी में रागिनी राणा (87 प्रतिशत) प्रथम, हिमांशु यादव (84 प्रतिशत) द्वितीय और श्रेया देवांगन (82 प्रतिशत) तृतीय रहीं। मिडिल स्कूल में हर्षित (95 प्रतिशत) प्रथम, तान्या दास (91.50 प्रतिशत) द्वितीय एवं अंकित सोनी (89.8 प्रतिशत) तृतीय रहे। प्राइमरी वर्ग में कृष्णा पटेल (90 प्रतिशत) प्रथम, ऋषभ बिसेन (88 प्रतिशत) द्वितीय और भूमिका शर्मा (87 प्रतिशत) तृतीय रहीं।

विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। जिला स्तरीय मैथ्स क्विज प्रतियोगिता में भूपेश देवांगन प्रथम एवं प्रियांशी रावत द्वितीय रहीं। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में टिकेंद्र जायसवाल द्वितीय स्थान पर रहे तथा इंटर स्कूल भरतनाट्यम नृत्य प्रतियोगिता में वर्षा सिन्हा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही दलजीत कौर और प्रियांशी रावत को भी मैथ्स क्विज के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया। 'उमंग' उत्सव ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, प्रेरणा और नई ऊर्जा का संचार किया तथा समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मछली पालन और खेतों की सिंचाई का आधार बनेगी आजीविका डबरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का उद्देश्य ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर आर्थिक गतिविधियों का संचालन कर सकें और अपने परिवार के भरण पोषण के साथ गांव की अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना सकें। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए जनपद पंचायत पंडरिया के ग्राम पंचायत लोखान अंतर्गत ग्राम कमराखोल में विशेष पिछड़ी जनजाति के दिव्यांग हितग्राही श्री अंधरू बैगा के लिए मनरेगा के तहत निर्मित की जा रही आजीविका डबरी उनके सुनहरे भविष्य की मजबूत नींव साबित होगी।

ग्राम सभा में मनरेगा अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को आजीविका डबरी निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। इसके लाभों से प्रभावित होकर अंधरू बैगा ने अपने लिए डबरी निर्माण की मांग रखी। वे पूर्व से मनरेगा के तहत पंजीकृत होकर कार्य कर रहे हैं। ग्राम सभा द्वारा प्रस्ताव पारित कर लगभग 1.05 लाख रुपये की लागत से उनके लिए आजीविका डबरी स्वीकृत की गई।

डबरी निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसमें अब तक 574 मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ है। स्वयं हितग्राही श्री अंधरू बैगा को 36 दिनों का रोजगार प्राप्त हुआ तथा 9 हजार 360 रुपये की मजदूरी राशि उनके बैंक खाते में भुगतान की गई है। लगभग 20 गुणा 20 गुणा 3 मीटर आकार की यह डबरी पूर्ण होने पर करीब 894 घन मीटर जल संचयन क्षमता प्रदान करेगी। इससे मछली पालन, बाड़ी विकास और खेतों की सिंचाई के लिए स्थायी जल स्रोत उपलब्ध होगा तथा भूजल स्तर में वृद्धि से आसपास के क्षेत्र भी लाभान्वित होंगे।

मत्स्य पालन विभाग द्वारा अभिसरण के माध्यम से मछली बीज, आवश्यक दवाइयां, जाल तथा तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। साथ ही डबरी के मेढ़ और आसपास की भूमि में नमी रहने से सब्जी उत्पादन के नए अवसर भी विकसित होंगे। निकटतम बाजार कुई में उत्पादों की आसान बिक्री से हितग्राही की आय में निरंतर वृद्धि संभव होगी। हितग्राही अंधरू बैगा ने बताया कि आजीविका डबरी बनने से उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आएगा। मछली पालन और सब्जी उत्पादन के माध्यम से उन्हें स्थायी आय का साधन मिलेगा और रोजगार के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना से वर्षों पुरानी इच्छा पूरी हो रही है और अब उनका भविष्य अधिक सुरक्षित और सुखद दिखाई दे रहा है।

सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड में जिला समन्वयक पदों पर भर्ती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन और नागरिकों तक सरकारी एवं निजी डिजिटल सेवाओं की सहज पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के चयनित जिलों में जिला समन्वयक पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

सीएससी द्वारा जारी सूचना के अनुसार यह नियुक्तियाँ दुर्ग, कांकेर, जशपुर एवं कोरबा जिलों के लिए की जाएंगी। प्रत्येक जिले के लिए पृथक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे तथा अभ्यर्थी को उसी जिले का स्थायी निवासी होना अनिवार्य होगा, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

जिला समन्वयक जिले में संचालित सीएससी ई-गवर्नेंस सेवाओं के संचालन, निगरानी एवं विस्तार के लिए उत्तरदायी होंगे। वे जिला प्रशासन, विभिन्न शासकीय विभागों, ब्लॉक एवं पंचायत स्तर के अधिकारियों, फील्ड स्टाफ तथा वीएलई नेटवर्क के साथ समन्वय स्थापित कर डिजिटल सेवाओं एवं योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे।

इस पद हेतु अभ्यर्थी का किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक होना अनिवार्य है। तकनीकी योग्यता के अंतर्गत कंप्यूटर साइंस में न्यूनतम 6 माह का डिप्लोमा अथवा NIELIT द्वारा जारी CCC प्रमाण पत्र आवश्यक है। अभ्यर्थी को कंप्यूटर, इंटरनेट, एमएस ऑफिस, ई-मेल, ऑनलाइन पोर्टल एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म का व्यवहारिक ज्ञान होना चाहिए।

‘यार ये मुझे देखता ही नहीं’

जब कंगना रनौत ने इस एक्टर से किया था फ्लर्ट

‘धुरंधर’ फिल्म के बाद अक्षय खन्ना सोशल मीडिया सेंसेशन बन गए हैं। अब उन्हें लेकर कंगना रनौत का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वे उनसे फ्लर्ट करने का किस्सा सुना रही हैं।

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना लगभग तीन दशकों से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। लेकिन दिसंबर में फिल्म ‘धुरंधर’ रिलीज होने के बाद वह पहले से कहीं ज्यादा चर्चा में आ गए। इसी बीच उनसे जुड़ा एक पुराना वीडियो फिर से सुर्खियां बटोर रहा है। हालांकि यह वीडियो अक्षय खन्ना का नहीं, बल्कि कंगना रनौत का है, जिसमें वह अक्षय के बारे में बात कर रही हैं।

यार ये मुझे देखता ही नहीं

कंगना का यह वायरल वीडियो साल 2010 का है। जब कंगना रनौत, अनिल कपूर और संजय दत्त के साथ करण जौहर के चैट शो ‘कॉफी विद करण’ में पहुंची थीं। शो के दौरान जब करण जौहर ने कंगना से पूछा कि क्या उन्होंने कभी किसी से फ्लर्ट किया और सामने से कोई रिएक्शन नहीं मिला, तो कंगना ने अक्षय खन्ना का नाम लिया। यह सुनकर सब हंस पड़े। संजय दत्त हैरान भी रह गए, जबकि अनिल कपूर ने कहा, ‘हां, इसने मुझे बताया था। यह कह रही थी- यार ये मुझे देखता ही नहीं है।’

अक्षय ने कभी मुझसे बात ही नहीं की

इस पर कंगना ने आगे कहा, ‘मैंने उनसे बात करने की कोशिश की, फिर सोचा थोड़ा फ्लर्ट करूं। लेकिन उन्होंने कभी मुझसे बात ही नहीं की।’ जब करण ने पूछा कि ऐसा क्यों, तो कंगना ने जवाब दिया, ‘वो किसी से बात ही नहीं करते।’ इस पर अनिल कपूर ने मुस्कुराते हुए कहा, ‘वो मुझसे बहुत अच्छे से बात करते हैं। वो मेरे छोटे भाई जैसे हैं।’

साल 2010 में कंगना रनौत और अक्षय खन्ना पहली बार अनीस बज्मी की एक्शन-कॉमेडी फिल्म ‘नो प्रॉब्लम’ में साथ नजर आए थे। फिल्म भले ही बड़ी हिट नहीं रही, लेकिन दोनों की मौजूदगी ने स्क्रीन पर अलग ही रंग जमा दिया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

वर्कफ्रंट की बात करें, तो अक्षय खन्ना की आगामी फिल्म ‘इक्का’ है, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ये एक थ्रिलर मूवी है। इसमें उनके साथ लीड रोल में सनी देओल नजर आएंगे।

वहीं, कंगना रनौत इस समय बतौर सांसद सक्रिय हैं। उन्होंने अभिनय करना भी छोड़ा नहीं है। वे आखिरी बार फिल्म ‘इमरजेंसी’ में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आई थीं। इसके अलावा भी वह कुछ फिल्म प्रोजेक्ट्स पर काम रही हैं। जिन्हें लेकर अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई हैं।

तू या मैं में विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे करियर का सबसे खास अनुभव रहा : पारुल गुलाटी

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार के करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट आते हैं, जो उनके सीख और आत्मविश्वास का जरिया बन जाते हैं। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए उनकी आने वाली फिल्म तू या मैं कुछ ऐसा ही प्रोजेक्ट है। इस फिल्म के जरिए उन्हें मशहूर निर्देशक विजय नांबियार के साथ काम करने का मौका मिला है। इसको लेकर पारुल का कहना है कि यह फिल्म उनके करियर का सबसे खास अनुभव है।

इस सफर ने उन्हें एक कलाकार के रूप में और मजबूत बनाया है। फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए पारुल गुलाटी ने कहा, विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा रहा। मैं पहले से ही उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हूं। उनकी फिल्मों में कहानी कहने का तरीका, किरदारों की गहराई और फिल्म का माहौल ऐसा होता है कि फिल्म खत्म होने के बाद भी उसका असर मन पर बना रहता है।

ऐसे निर्देशक के साथ काम करना सम्मान की बात है। पारुल ने कहा, जिस निर्देशक के काम को आप सालों से देखते और पसंद करते आए हों, उसी के निर्देशन में कैमरे के सामने खड़ा होना बहुत खास एहसास देता है। तू या मैं ने मुझे यही मौका दिया। इस फिल्म ने उन्हें भावनात्मक, मानसिक और अभिनय के स्तर पर खुद को और बेहतर समझने का अवसर दिया।

यह फिल्म मेरे करियर की सबसे खास है। इस फिल्म में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अपने सह-कलाकारों के बारे में बात करते हुए पारुल ने कहा, उनके साथ काम करना इस सफर को और भी खूबसूरत बनाता है। आदर्श गौरव बेहद ईमानदार और मेहनती अभिनेता हैं।

वह हर सीन में पूरी सच्चाई के साथ काम करते हैं। वहीं शनाया कपूर सेट पर नई ताजगी लेकर आती हैं। उनमें सीखने की काफी लगन है। पारुल ने कहा, जब आसपास ऐसे कलाकार होते हैं, तो काम को लेकर समर्पण और खुद को बेहतर करने की प्रेरणा अपने आप मिलती है। हर दिन सेट पर कुछ नया सीखने को मिलता है, और यही चीज किसी भी कलाकार को आगे बढ़ने में मदद करती है।

रणवीर-दीपिका की सुरक्षा ने बढ़ाई सोसायटी मेंबर्स की चिंता, पुलिस तक पहुंचा मामला

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को धमकी मिली है। व्हॉट्सएप पर भेजे गए वॉइस नोट के जरिए उनसे करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी गई है। इस बीच एक्टर ने सुरक्षा बढ़ाई। मगर, इसे लेकर उनकी सोसाइटी की लोगों ने चिंता जताते हुए पुलिस को पत्र लिखा है और स्पष्टीकरण मांगा है।

अभिनेता रणवीर सिंह को व्हॉट्सएप पर एक वॉइस नोट भेजकर धमकी दी गई है। एक अनजान शख्स ने अभिनेता से करोड़ों रुपये की रकम मांगी है। मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस बीच उनकी सुरक्षा में इजाफा किया गया है। रणवीर और दीपिका पादुकोण के घर के बाहर अचानक सिक्योरिटी में बढ़ोतरी देख सोसाइटी के लोगों ने चिंता जताई है। पुलिस को लिखे पत्र में कहा गया है कि रणवीर सिंह और दीपिका ने सोसाइटी प्रबंधन और सोसाइटी के सदस्यों को बताए बिना निजी सिक्योरिटी तैनात की है।

लोगों ने जताई चिंता, कही ये बात

मुंबई के प्रभादेवी हाउसिंग सोसायटी ने रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण को लेकर पुलिस से स्पष्टीकरण मांगा है। मुंबई के प्रभादेवी स्थित ब्यू मोंडे बी टॉवर हाउसिंग सोसायटी की तरफ से दादर पुलिस स्टेशन को पत्र लिखा गया है। इसके जरिए सोसायटी परिसर में तैनात निजी सशस्त्र सुरक्षा गार्डों को लेकर चिंता जताई है।

किस आधार पर तैनात हुए सुरक्षा गार्ड?

दरअसल, यह गार्ड रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने तैनात किए है। सोसायटी प्रबंधन के अनुसार, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण द्वारा बिना सोसायटी की अनुमति के छह सशस्त्र गार्ड तैनात किए गए हैं, जो हथियारों के साथ लॉबी, जिम और बच्चों के खेल क्षेत्र जैसे साझा स्थानों में आवाजाही करते देखे गए। सोसायटी ने पुलिस से यह स्पष्ट करने का अनुरोध किया है कि सुरक्षा गार्डों के पास वैध हथियार लाइसेंस है या नहीं? क्या पुलिस ने इसकी अनुमति दी है? और, वहां तैनात पुलिसकर्मी की नियुक्ति किस आधार पर की गई है? पत्र लिखने को लेकर सोसायटी ने कहा है कि यह कदम सोसाइटी के अन्य लोगों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। बता दें कि रणवीर और दीपिका के सोसाइटी वालों ने जब पुलिस में शिकायत करते स्पष्टीकरण मांगा कि उन्होंने बिना जानकारी के अपनी सुरक्षा बढ़ा ली है, तब तहकीकात में यह मामला सामने आया कि रणवीर सिंह को वॉइस नोट के जरिए धमकी मिली थी। एक तरफ एक्टर को धमकी मिलने पर सुरक्षा बढ़ाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर उसी सुरक्षा को लेकर सोसायटी में सवाल उठ रहे हैं।

आकांक्षा चमोला ने अपने ग्लैमरस अवतार से इंटरनेट पर लगाई आग

बिग बॉस 19 के विनर गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला इन दिनों खूब लाइमलाइट बटोर रही हैं। बिग बॉस 19 में सिर्फ एक दिन के लिए आने के बाद से ही आकांक्षा ट्रोलिंग क्वीन बन गई हैं। पहले वह मां नहीं बनने के फैसले पर ट्रोल हुई थीं और फिर वह अपने नए प्रोजेक्ट की वजह से लोगों के निशाने पर आ गईं। इन सबके बीच, आकांक्षा अपनी बिंदास लाइफ जी रही हैं। उन्होंने अपनी कुछ नई फोटोज से सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है। एक-एक फोटो पर फैंस कमेंट कर रहे हैं।

आकांक्षा चमोला ने अपनी नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। जिसमें वह रेड वाइन बनी हुई दिख रही हैं. इन फोटोज में आकांक्षा ने लाल रंग का गाउन पहना है, जो ऑफ शोल्डर है।

आकांक्षा चमोला अपनी इस तस्वीर में खिलखिलाकर मुस्कुरा रही हैं। एक्ट्रेस की स्माइल इस फोटो में चार चांद लगाने का काम कर रही हैं और उनकी छोटी चोटी आंखें काफी क्यूट लग रही हैं।

आकांक्षा चमोला ने अपने लुक को परफेक्ट रखा है. एक्ट्रेस ने रेड गाउन के साथ गोल्डन नेकपीस कैरी किया, जो काफी यूनिका दिखा और बालों को कर्ली करवाए। इस लुक में वह काफी क्यूट लगीं। आकांक्षा ने मिनिमल मेकअप से अपने लुक को एलिगेंट बनाने के काम किया।

आकांक्षा इन दिनों काफी ट्रोल हो रही हैं लेकिन उनकी इन फोटोज से साफ है कि एक्ट्रेस को ट्रोलिंग से कोई फर्क नहीं पड़ रहा। वह अपनी जिंदगी से काफी खुश हैं और आराम से अपनी लाइफ को एन्जॉय कर रही हैं।

आकांक्षा चमोला ने इन फोटोज पर खास कैप्शन लिखा है। उन्होंने इस फोटोज के साथ रेड रोज लगाए हैं। एक्ट्रेस ने बहुत ही प्यार के साथ अपने ट्रोलर्स को जवाब दिया है, जिससे उनकी बोलती बंद हो गई।

आकांक्षा चमोला की ये फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन फोटोज पर फैंस भर-भरकर प्यार लुटा रहे हैं। कई सारे फैंस ने हार्ट इमोजी भेजे हैं और कुछ फैंस फायर के इमोजी लगा रहे हैं। फैंस ने आकांक्षा को सबसे ज्यादा सुंदर बताया है।

आकांक्षा चमोला विवादों में हैं। आकांक्षा ने नेशनल टीवी पर कहा था कि उन्हें बच्चों की जिम्मेदारी नहीं चाहिए क्योंकि वह नहीं मानती कि वह इस जिम्मेदारी को उठा सकती हैं। इस पर वह काफी ट्रोल हुई। गौरव खन्ना कई बार अपनी पत्नी का बचाव कर चुके हैं, लेकिन आकांक्षा को ट्रोलिंग से कोई फर्क नहीं पड़ता।

पायदान को बिना धोए साफ करने का आसान तरीका, इस ट्रिक से निकल जाएगी पूरी गंदगी

घर को साफ सुथरा बनाने के लिए और बाहर की गंदगी को घर में न आने देने के लिए पायदान का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन अगर पायदान ही गंदा हो जाए तो उससे पूरे घर में गंदगी फैलने लगती है। जूता चप्पल में फंसी गंदगी डोरमैट्स पर जमा होने लगती है। जिससे धूल और गंदगी घर के अंदर आने लगती है। बाथरूम के बाहर लोग पानी को रोकने और गीलेपन से बचने के लिए पायदान का इस्तेमाल करते हैं लेकिन पायदान गंदा होने पर बाथरूम तो गंदा होता ही है साथ ही घर भी गंदा हो जाता है। ऐसे में पायदान को साफ करना बहुत जरूरी है। अच्छी धुलाई करके ही पायदान को साफ किया जा सकता है। लेकिन हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे गंदे पायदान को बिना धोए भी आप क्लीन कर सकते हैं। जानिए बिना वॉश किए पायदान को साफ करने का ये आसान तरीका।

वैक्यूम क्लीनर का उपयोग- घर की सफाई में लोग आजकल वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करने लगे हैं। जैसे आप कालीन और मैट्स को क्लीन करते हैं वैसे ही मोटे हैवी पायदान को भी वैक्यूम क्लीनर से क्लीन किया जा सकता है। वैक्यूम क्लीनर से पायदान में लगी धूल-मिट्टी और गंदगी निकल जाएगी। आपको काफी दिनों तक पायदान को धोने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ब्रश का उपयोग करें- गंदे पायदान को कपड़ा धोने वाले ब्रश से आसानी से क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए पहले पायदान को झाड़कर उसमें जमा धूल मिट्टी को साफ कर लें। अब कपड़ा धोने वाले किसी पुराने ब्रश से पायदान को घिसते हुए साफ करें। ध्यान रखें गीला नहीं बल्कि सूखा ही रगड़ना है। इससे पायदान में फंसी गंदगी, बाल और मिट्टी निकल जाएगी। ड्राई क्लीनिंग से साफ करें- पायदान को घर पर आसानी से ड्राई क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए गुनगुना पानी लें और उसमें थोड़ी फिटकरी डाल कर घोल सें। इसमें 2 ढक्कन शैंपू डालें और मिक्स कर लें। इसे किसी बोतल में डालें। अब एक साफ सूती कपड़ा लें और उस पर स्प्रे डालें। इस कपड़े से पायदान को साफ करें। इससे पायदान पर जमा गंदगी साफ हो जाएगी। इसके बाद पायदान को थोड़ी देर धूप में सुखा दें। इससे गंदगी निकल जाएगी।

सेब में छुपा ग्लोइंग स्किन, तेज दिमाग और मजबूत दिल का राज

सेब ऐसा फल है जिसे आप रोज खाएं तो आपको जल्दी डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि इसमें विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं। सबसे पहले बात करते हैं पाचन की, तो सेब में मौजूद पेक्टिन नाम का घुलनशील फाइबर आंतों की सफाई करता है, पाचन को मजबूत बनाता है और कब्ज, गैस जैसी दिक्कतों से राहत देता है। जो लोग अक्सर पेट खराब या अनियमित पाचन से परेशान रहते हैं, उनके लिए सेब काफी फायदेमंद माना जाता है।

दिल के लिए भी यह फल एक तरह से ढाल का काम करता है, क्योंकि इसमें मौजूद फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है और ब्लड फ्लो को बेहतर बनाए रखता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम हो सकता है। वजन घटाने में भी ये काफी फायदेमंद होता है। सेब कम कैलोरी वाला है और इसे खाने से पेट देर तक भरा रहता है, जिससे बार-बार खाने की आदत नियंत्रित होती है। जो लोग वेट लॉस डाइट कर रहे हों, उनके लिए यह एक बढ़िया विकल्प है। सेब ब्लड शुगर को भी धीरे-धीरे बढ़ाता है, इसलिए डायबिटीज वाले लोग इसे सीमित मात्रा में खा सकते हैं। यह उनकी भूख को शांत रखता है और ऊर्जा भी देता है।

दिमाग के लिए भी यह फल कमाल का माना जाता है, क्योंकि इसके एंटीऑक्सीडेंट दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और याददाश्त में सुधार करने में मदद करते हैं। त्वचा और बालों की बात करें तो सेब में मौजूद विटामिन सी स्किन को ग्लो देता है, झुर्रियां कम करता है और हेयर फॉल को कंट्रोल करने में भी मददगार माना जाता है।

इसके नियमित सेवन से इम्युनिटी भी बढ़ती है, जिससे शरीर संक्रमणों से बेहतर तरीके से लड़ पाता है। सेब को छिलके सहित खाना ज्यादा बेहतर माना जाता है, क्योंकि फाइबर का ज्यादातर हिस्सा छिलके में ही होता है। दिन में एक से दो छोटे या मध्यम आकार के सेब आप खा सकते हैं।

स्वाति मिश्रा के भजनों से भक्तिमय हुआ राजिम कुंभ कल्प, मुख्य मंच पर उमड़ा जनसैलाब, 'राम आएंगे' गूंजते ही झूम उठे श्रोता

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 के दसवें दिन मुख्य मंच भक्ति रस से सराबोर हो उठा, जब सुप्रसिद्ध भजन गायिका स्वाति मिश्रा ने अपनी सुमधुर आवाज से हजारों श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति शुरू होते ही पूरा पंडाल तालियों और हर-हर महादेव और जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने भक्ति गीत से की, जिसके बाद एक से बढ़कर एक लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति दी। राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी की गूंज पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। इसके साथ ही बरसाने की छोरी राधा गोरी-गोरी, मेरे चौखट पे चलकर आज चारों धाम आए हैं तथा राधा गोरी से ब्रज की छोरी से मैया करा मेरो ब्याह जैसे भजनों पर दर्शकों के साथ जनप्रतिनिधि झूमते दिखाई दिए। राजिम विधायक रोहित साहू ने तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

मेरे घर राम आए हैं, भक्ति में रंगी रे, शिव कैलाशी और जय-जय भोलेनाथ जैसे भजनों ने वातावरण को पूर्णत: भक्तिमय बना दिया। दर्शक दीर्घा में बैठे लोग हाथ उठाकर भजनों के साथ सुर मिलाते नजर आए। वहीं भजन सुनकर दर्शक दीर्घा से महिलाएं भी थिरकने लगी। स्वाति मिश्रा की मधुर आवाज ने श्रोताओं के हृदय को छू लिया। दसवें दिन मंच पर कार्यक्रम की शुरुआत कलाकार रेणु साहू की पंडवानी की प्रस्तुति से हुई। उन्होंने सत्यभामा और श्रीकृष्ण के संवाद को पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ प्रस्तुति देकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसके पश्चात ग्वालियर की वैष्णवी शर्मा ने शंभू शिव स्वयंभू गीत पर भरतनाट्यम की मनमोहक प्रस्तुति दी। भरतनाट्यम के बाद पूर्वी यादव की जगराता प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गणेश वंदना के साथ के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। वहीं मेरे प्रभु श्री राम का गीत सुनकर उपस्थित दर्शक जय श्री राम के नारे लगाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों का सम्मान विधायक रोहित साहू, अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू, राजिम नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, नवापारा नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी संजय साहू, सरपंच संघ फिंगेश्वर अध्यक्ष हरीश साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर दिया। मंच संचालन निरंजन साहू, मनोज सेन एवं किशोर निर्मलकर ने किया।

कुंभ के 10वें दिन लोक कला से जीवंत हो उठी छत्तीसगढ़ की संस्कृति

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के 10वें दिन स्थानीय नदी मंच में छत्तीसगढ़ की लोककला एवं लोक संस्कृति जीवंत हो उठा। कार्यक्रम में चौबेबांधा के बिसहत राम साहू ने मानस गान प्रस्तुत किया। टीकाकार संतोष कुमार सोनकर ने सुंदरकांड के प्रसंग पर कहा कि समय बहुत कीमती है इसे व्यर्थ जाने से बचाएं।

राजिम के शिखा गोस्वामी ने महाभारत कथा, उमरदा के हुमन चंद्राकर रामायण, राजिम के नामदास लहरे ने सतनाम भजन तथा पारागांव के आर्यन ने सुगम गायन प्रस्तुत किया। रूआबांधा के रेणु साहू पंडवानी, रायपुर पूर्वी यादव की जगराता के भजनों पर लोग झूमने को मजबूर हो गये। उन्होंने देवी मां का जयकारा लगाते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की।

मलपुरी दुर्ग के हेमीन वर्मा ने सुवा नृत्य पर विराह गीत प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ी वेषभूषा में गोल घेरा के मध्य सुवा को रखे हुए थे और चुटकी बजाकर झूमा। कंडरका दुर्ग के सूरज प्रकाश साहू लोकनृत्य, रायपुर के अनीता देवांगन भजन संध्या, छुईहा के चौतुराम तारक नाचा गम्मत ने सब का दिल जीत लिया। रायपुर के मनोज सेन ने लोककला मंच, गरियाबंद के ललित निर्मकर भुंजिया नृत्य की जोरदार प्रस्तुति दी। चम्पारण के चंद्रहास साहू ने राउत नाचा, परसदा सोंठ के राधा खुंटे ने पंथी नृत्य की छटा बिखेरी। कार्यक्रम का संचालन दिनेश्वर साहू, मनोज सेन, निरंजन साहू, महेन्द्र पंत, उमाकांत साहू, अर्जुन धनंजय ने किया। प्रमुख रूप से पुरूषोत्तम चंद्राकर, शीतल चौबे, सालिकराम साहू, खिलेश्वरी साहू, भारती साहू इत्यादि कार्यक्रम की व्यवस्था में लगे।

राजिम कुंभ कल्प में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग दे रहा आधुनिक खेती की जानकारी

पाम फल ने खींचा किसानों का ध्यान, कृषि स्टॉल पर उमड़ रही जिज्ञासुओं की भीड़

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला में इस वर्ष कृषि एवं उद्यानिकी विभाग का स्टॉल किसानों और मेलार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। तिलहन, दलहन और सब्जी फसलों की प्रदर्शनी के साथ पाम (ऑयल पाम) की खेती संबंधी जानकारी ने लोगों को खासा उत्सुक किया है। पाम के फल को पहली बार करीब से देखकर कई लोग अचंभित नजर आए और इसके व्यावसायिक लाभ की जानकारी लेते दिखे।

ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी युगल किशोर साहू ने बताया कि पाम की खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा प्रति हेक्टेयर विभिन्न मदों में अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इसमें फेंसिंग हेतु 54,485 रुपये, अंतरवर्ती फसल के लिए 10,250 रुपये, रखरखाव हेतु 6,550 रुपये तथा ड्रिप सिंचाई के लिए 22,765 रुपये तक का शासकीय अनुदान दिया जाता है। हालांकि एक एकड़ में बोरिंग के लिए अनुदान का प्रावधान नहीं है। वर्तमान में छुरा ब्लॉक में लगभग 11 एकड़ क्षेत्र में पाम की खेती की जा रही है।

अधिकारी ने बताया कि पाम का पौधा कंपनियों द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाता है तथा उत्पादित फल को कंपनी 17 रुपये प्रति किलो के समर्थन मूल्य पर खरीदती है।

पाम के पौधे में लगभग चार वर्ष बाद फल लगना शुरू होता है, इसलिए किसान प्रारंभिक वर्षों में दलहन, तिलहन एवं सब्जियों की अंतरवर्ती खेती कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। पाम से खाद्य तेल (एडिबल ऑयल) का उत्पादन होता है, जिससे इसकी बाजार में निरंतर मांग बनी रहती है।

विभाग द्वारा स्टॉल में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जैविक खेती प्रोत्साहन एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा किसानों के कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी जा रही है। साथ ही किसानों को ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिस्टम पर अनुदान, फलदार पौधों के रोपण संबंधी योजनाओं से अवगत कराया जा रहा है। मेला परिसर में लगे इस स्टॉल के माध्यम से किसान आधुनिक और लाभकारी खेती की ओर प्रेरित हो रहे हैं।

संत समागम परिसर के मां भैरवी धाम पंडाल में संपन्न हुआ गुरु पूजन, देशभर से पहुंचे शिष्य

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के संत समागम क्षेत्र में स्थापित मां भैरवी धाम पंडाल में मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ गुरु पूजन का आयोजन किया गया। तंत्रोक्त साधना केंद्र के रूप में प्रसिद्ध सुमिरन माई के इस पंडाल में देशभर से लगभग 80 शिष्य पहुंच चुके हैं, जबकि 120 अन्य शिष्यों के आने की सूचना है। पंजाब, उत्तराखंड, असम, गुजरात सहित विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने माई के सानिध्य में आध्यात्मिक साधना का संकल्प लिया।

आयोजन के दौरान माई एवं शिष्यों का परिचय हुआ। इसके पश्चात भैरवी धाम खैरा (राजनांदगांव) से लाई गई माई की पावन चरण पादुका का विधि-विधान से पूजन-अर्चना किया गया। पूजा में देव अस्त्र एवं कुलदेवी को विशेष स्थान दिया गया। पंडित रघुनाथ प्रसाद पांडे, सोनू, अवि एवं ऋषिक ने बताया कि सुमिरन माई 15 फरवरी तक राजिम कुंभ में उपस्थित रहेंगी। इस अवधि में श्रद्धालु गुरु दक्षिणा अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे।

पंडाल परिसर में पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनि के बीच नर्तक दल द्वारा प्रस्तुत राउत नाचा ने वातावरण को आकर्षक बना दिया। राजिम कुंभ कल्प में 10 फरवरी से संत समागम का शुभारंभ हुआ है। इसके बाद संत समागम स्थल पर चारों ओर संतवाणी की गूंज और यज्ञ कुंड में दी जा रही आहुतियों से पूरा माहौल धर्ममय और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत दिखाई दे रहा।

आसपास समेत प्रदेश एवं देश के कोने-कोने से श्रद्धालु राजिम कुंभ पहुंचकर आध्यात्मिक ऊर्जा का लाभ ले रहे हैं।

राजिम कुंभ कल्प में हनुमत महायज्ञ का कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के संत समागम स्थल पर बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति भाव के बीच हनुमत महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। यज्ञ प्रारंभ होने के पहले श्री पटेश्वर सेवा संस्थान के बालयोगी श्री राम बालकदास जी के नेतृत्व में भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों साधु-संतों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कलश यात्रा के पश्चात विधि-विधान से यज्ञशाला में कलश स्थापना की गई। इस अवसर पर श्रद्धालु राम भजन गाते हुए भक्ति रस में डूबे हुए थे। पूरा संत समागम स्थल "जय श्रीराम, हनुमान जयकारों" और वैदिक मंत्रों से गूंज उठा। यह महायज्ञ 11 से 15 फरवरी तक प्रतिदिन प्रात: 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक संपन्न होगा।

आयोजनकर्ता राम बालक दास जी महाराज ने बताया कि आयोजन के दौरान श्री हनुमत सहस्त्रनाम एवं हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया जाएगा। साथ ही प्रतिदिन रात्रि में स्थानीय कलाकारों द्वारा श्रद्धाभाव से सुंदरकांड का पाठ प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने यज्ञ के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऋषि-मुनियों द्वारा निर्धारित यज्ञ परंपरा प्रकृति की रक्षा, पर्यावरण की पवित्रता तथा अन्न-धन की समृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक है।

नंदीगण संग विराजित परमात्मा शिव की भव्य झांकी बनी आस्था का केंद्र

राजिम कुंभ कल्प के संत समागम परिसर में ब्रह्माकुमारी संस्थान की सजीव चौतन्य झांकियां देखने उमड़ी भीड़

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प के पावन अवसर पर कुलेश्वर मंदिर के समीप स्थित संत समागम स्थल में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, नवापारा द्वारा स्थापित परमात्मा शिव के कर्तव्य को दर्शाती भव्य झांकी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में भक्तगण झांकी के दर्शन कर आध्यात्मिक संदेश ग्रहण कर रहे हैं।

झांकी में दर्शाया गया है कि वर्तमान समय में जब समाज में अत्याचार, भ्रष्टाचार, असत्य और हिंसा का विस्तार हो रहा है, तब परमात्मा शिव साधारण मानव तन का आधार लेकर मानव आत्माओं के कल्याण हेतु अवतरित होते हैं। सेवा केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा बहन ने बताया कि गीता के वचनों के अनुरूप धर्म की पुनर्स्थापना के लिए परमात्मा का अवतरण होता है और इसी दिव्य सत्य को चैतन्य देवियों की झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

विशेष रूप से परमात्मा शिव के नंदीगण तथा उस पर विराजमान शंकर की मनोहारी प्रतिमा श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है। नंदीगण के प्रतीकात्मक एवं मनोवैज्ञानिक महत्व की जानकारी भी आगंतुकों को दी जा रही है। इसके साथ ही मां दुर्गा, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती, मां गंगा और भगवान श्रीकृष्ण की चैतन्य झांकियों के माध्यम से चित्रण किया गया है, जहां स्त्री-पुरुष अपने विकारों की आहुति देकर आत्मशुद्धि और सतयुग स्थापना का संकल्प लेते हुए दर्शाए गए हैं।

संस्थान द्वारा जीवन को श्रेष्ठ और शांतिमय बनाने हेतु तीन दिवसीय राजयोग शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है। यह झांकी प्रतिदिन संध्या 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित की जा रही है, जहां श्रद्धालु आस्था और अध्यात्म का लाभ उठा रहे हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

भीषण सड़क हादसा : अज्ञात वाहन की टक्कर से डीआरजी जवान की मौत

जगदलपुर। शहर से लगे आसना क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में सुरक्षा बल के एक जवान की जान चली गई। नेशनल हाईवे-30 पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार जवान को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान भरत भारती के रूप में हुई है, जो डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) में तैनात थे। हादसा जगदलपुर कोतवाली थाना क्षेत्र में हुआ। भरत भारती बाइक से जगदलपुर की ओर आ रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जवान ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

आठ लीटर महुआ शराब के साथ एक आरोपी पकड़ाया

कांकेर। उत्तर बस्तर जिले के कांकेर थाना पुलिस ने अवैध रूप से महुआ शराब बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 8 लीटर महुआ शराब जब्त किया है। कांकेर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर शहर में शराबियों, नशेड़ी, गजेड़ियो, अवैध शराब, नशीली पदार्थ का सेवन कर उत्पाद करने वाले असामाजिक तत्वों पर सतत् निगरानी रखने आवश्यक कार्यवाही कर शहर में निरन्तर पुलिसिंग गस्त कार्यवाही कर आसमाजिक तत्वों एवं अपराध पर अंकुश लगाने पुलिस थाना कांकेर द्वारा अवैध महुआ शराब जप्त कर आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा- 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

एंटी-ड्रग अभियान के बीच पुलिसकर्मी ही निकला आरोपी

रायपुर। राजधानी में चल रहे नशा विरोधी अभियान के दौरान एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आमानाका थाना में पदस्थ कांस्टेबल हिमांशु बर्मन को हेरोइन के साथ पकड़ा गया है। वह कथित तौर पर एक ग्राहक को नशीला पदार्थ उपलब्ध कराने की कोशिश कर रहा था, तभी पुलिस टीम ने उसे रंगे हाथों धर दबोचा। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई टिकरापारा थाना पुलिस ने की। आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और मामले की जांच जारी है। गौरतलब है कि रायपुर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सेंट्रल जोन पुलिस के डीसीपी के निर्देशन में सूखे नशे की बिक्री, सेवन और सुनसान इलाकों जैसे अंधेरी गलियों व पार्किंग स्थलों में हो रही अवैध गतिविधियों पर सख्त नजर रखी जा रही है। इस कार्रवाई ने यह भी साफ कर दिया है कि अभियान के दौरान कानून से ऊपर कोई नहीं है, चाहे वह पुलिस विभाग का ही सदस्य क्यों न हो।

सोशल मीडिया रील्स से सीखी चोरी की ट्रिक रायपुर में हिस्ट्रीशीटर समेत सात गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के शहर और आसपास के इलाकों में ज्वेलरी दुकानों व सूने मकानों को निशाना बनाने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए पुलिस ने आठ अलग-अलग चोरी के मामलों का पर्दाफाश किया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) की कार्रवाई में हिस्ट्रीशीटर संजय नेताम उर्फगोलू समेत कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक विधि के साथ संघर्षरत बालक भी शामिल है। आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात, नगदी रकम, मोटरसाइकिल समेत करीब 28 लाख रुपये का माल बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया रील्स देखकर चोरी के नए तरीके सीखते थे और फिर ज्वेलरी दुकानों में ग्राहक बनकर लॉकेट या मंगलसूत्र देखने के बहाने जेवर लेकर फरार हो जाते थे। इसके अलावा सूने मकानों की रेकी कर ताला तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। यह गिरोह थाना खम्हारडीह, डी.डी. नगर, पुरानी बस्ती, पंडरी, विधानसभा, आरंग और जिला बलौदा बाजार के पलारी क्षेत्र में सक्रिय था।

अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी

पुलिस ने बताया खम्हारडीह और डी.डी. नगर में सूने मकानों से लाखों के जेवरात और नगदी चोरी की गई थी। पुरानी बस्ती क्षेत्र में भी घर का ताला तोड़कर लॉकर से सोना-चांदी और नकदी पार की गई। आरंग और पलारी में आरोपियों ने ज्वेलरी दुकानों को निशाना

बनाया। दुकान में ग्राहक बनकर पहुंचे आरोपी ने सोने के लॉकेट दिखाने के दौरान जेवर चोरी कर लिए और साथी के साथ बाइक से फरार हो गए। पंडरी क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल भी चोरी की गई थी। विधानसभा क्षेत्र में भी शादी समारोह में गए परिवार के सूने घर से ताला तोड़कर जेवरात और नगदी चोरी की गई थी।

डीसीपी ने बनाई 6 टीमें

लगातार बढ़ती चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर), पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) और पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) के निर्देशन में एसीसीयू और संबंधित थानों की छह टीमों का गठन किया गया। टीमों ने घटनास्थलों का निरीक्षण कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिर तंत्र सक्रिय किया और हाल ही में जेल से छूटे आरोपियों की जानकारी जुटाई। तकनीकी विश्लेषण और डाटा बेस की मदद से आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की गई।

खम्हारडीह और डी.डी. नगर के मामलों में गिरफ्तार संजय नेताम उर्फ गोलू थाना सिविल लाइन का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके कब्जे से लगभग 18 लाख रुपये का माल जब्त किया गया।

सभी आरोपियों को भेजा जेल

पुरानी बस्ती के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब दो लाख रुपये के जेवरात और नगदी बरामद की गई। आरंग, पंडरी और पलारी से जुड़े मामलों में तीन आरोपियों और एक नाबालिग को पकड़कर लगभग पांच लाख रुपये का माल जब्त किया गया। विधानसभा क्षेत्र के प्रकरण में एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर करीब तीन लाख रुपये के जेवरात और नगदी बरामद की गई। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया और वहां से जेल भेज दिया। अधिकारियों का कहना है कि शहर में सक्रिय अन्य गिरोहों की भी जांच की जा रही है और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान जारी रहेगा।

रातभर चला पुलिस का बड़ा अभियान 126 वारंटी और 11 फरार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में अपराध पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने एक साथ सभी थाना क्षेत्रों में व्यापक रात्रि कांबिंग गश्त अभियान चलाया। इस विशेष ऑपरेशन में करीब 300 पुलिस अधिकारी और जवान शामिल रहे। अभियान का उद्देश्य वारंटियों की गिरफ्तारी, फरार आरोपियों की धरपकड़ और असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण था।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित टीमों ने संभावित ठिकानों, संदिग्ध स्थानों, होटल-ढाबों और सार्वजनिक क्षेत्रों में सघन तलाशी व दबिश दी। इस कार्रवाई के दौरान कुल 126 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 50 स्थायी वारंटी और 76 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। इसके अलावा गंभीर मामलों में लंबे समय से फरार 11 आरोपियों को भी पकड़ा गया।

पुलिस ने निगरानी सूची में दर्ज 41 गुंडा-बदमाशों की जांच कर उनकी गतिविधियों का सत्यापन किया और आवश्यक चेतावनी दी। संदिग्ध गतिविधियों में शामिल 10 लोगों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 170 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। एक अन्य मामले में एक व्यक्ति से धारदार हथियार बरामद होने पर आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया।

वहीं, मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार, बीते एक सप्ताह में ऐसे 105 चालकों पर कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बसों के जरिए हो रही थी गांजा तस्करी : न्यू बस स्टैंड से 13 किलो माल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यू बस स्टैंड भाठागांव में चलाए गए सघन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने सूखे नशे के अंतर्राज्यीय नेटवर्क का खुलासा किया है। बसों के जरिए गांजा परिवहन कर रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए कुल 12.938 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 6 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है। दोनों प्रकरणों में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से टिकरापारा थाना पुलिस ने न्यू बस स्टैंड

परिसर में संदेही यात्रियों की सघन जांच शुरू की थी। अभियान के दौरान 9 फरवरी 2026 को दो अलग-अलग समय पर की गई कार्रवाई में गांजा बरामद हुआ। पहले प्रकरण में दोपहर करीब 12 बजे एक महिला और दो पुरुष यात्रियों के सामान की तलाशी लेने पर उनके झोले और स्कूल बैग से 5.938 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 3 लाख रुपये आंकी गई। पूछताछ में आरोपियों की पहचान पिंकी हरिजन, क्षीतिज प्रताप सिंह और एक विधि से संघर्षरत बालक के रूप में हुई। जांच के दौरान रामकृष्ण तिवारी का नाम भी सामने आया, जिसे प्रकरण में संलिप्त पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 113/26 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

दूसरे प्रकरण में शाम 5:15 बजे एक यात्री के ट्रॉली बैग की जांच के दौरान 7 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। आरोपी की पहचान अरुण जाल के रूप में हुई। उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 115/26 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। पुलिस के अनुसार आरोपी बस और सड़क मार्ग का उपयोग कर अंतर्राज्यीय स्तर पर गांजा परिवहन कर रहे थे। मामले में एंड-टू-एंड और वित्तीय जांच भी की जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क और सप्लाई चेन का खुलासा किया जा सके। पुलिस का कहना है कि राजधानी में सूखे नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बारात के दौरान हादसा : तेज रफ्तार वाहन ने लोगों को मारी टक्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर चांपा जिले के गांव घिवरा के मेन रोड पर डीजे की धुन पर डांस कर रहे बारातियों पर एक अनियंत्रित कैप्सूल वाहन जा घुसा। जिसमें चाह महिलाओं को चोट आई है। घटना बीती रात 10 बजे की बताई जा रही है, जो कि सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले से बारात आई थी। मामला बिर्रा थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी अनुसार, सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले पेंड्रावन से बिर्रा के भाटापारा में रथू देवांगन के यहां बारात पहुंची थी। जो कि गेट के पास सभी बाराती डीजे के धुन पर डांस कर रहे थे। इस बीच शिवरीनारायण की ओर से कैप्सूल वाहन चालक ने सड़क

पर बारात होने पर सड़क में खड़ी थी। जिसके बाद वह अचानक से चलने लगी और बारातियों के ऊपर चढ़ गई।

बरात घर के द्वार पर पहुंच चुकी थी। परघनी होने वाली थी। जिसके बाद सड़क किनारे लगे टेंट से जा टकराई। जिसक वीडियो भी सामने आया है। वहीं टक्कर से टेंट के पास खड़ी चार महिलाओं को चोट आई है। अन्य लोग घायल हुए, जिन्हें हल्की चोट आई है। वहीं घायल महिलाओं में भूरी बाई 65 वर्ष, राधिका देवांगन, रेधुका देवांगन 55 वर्ष है। जिनका इलाज बिर्रा में ही चल रहा है।

वहीं एक महिला उसा बाई देवांगन 53 वर्ष के पैर पर चक्का चढ़ गया। जिससे उनकी हालत गंभीर होने पर बिलासपुर रेफर किया गया है। घटना की जानकारी बिर्रा पुलिस को मिलने पर मौके पर पहुंची और कैप्सूल वाहन चालक को हिरासत में लिए गया। जिससे पूछने पर बताया कि उसे झपकी आने से नींद लग गई थी।

फिलहाल, बिर्रा थाने में कैप्सूल वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज चालक को हिरासत में लिए गया है, साथ ही कैप्सूल वाहन को जब्त कर आगे की जांच पड़ताल की कार्रवाई की जा रही है।

जन्मदिन के दिन मां की संदिग्ध मौत : हत्या या आत्महत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मृतका फुलकुंवर चौधरी की जिंदगी पहले ही पारिवारिक विवादों से घिरी रही, और अब उनकी मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना 9 फरवरी की बताई जा रही है, जिस दिन उनके बेटे का जन्मदिन था।

जानकारी के मुताबिक, फुलकुंवर की शादी करीब दो दशक पहले हरिद्वार निवासी मणिकांत चौधरी से हुई थी। कुछ वर्षों बाद वह अपने देवर गिरधर चौधरी के साथ रहने लगीं। शुरुआती विरोध के बाद मायके पक्ष ने इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया था। दंपति अंबिकापुर में किराए के मकान में रह रहे थे और

उनके दो बच्चे हैं। मृतका के मायके वालों ने आरोप लगाया है कि गिरधर चौधरी अक्सर फुलकुंवर के साथ मारपीट करता था और उसी ने हत्या कर शव को फांसी के फंदे पर लटका दिया। परिजनों ने मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, गिरधर चौधरी ने इन आरोपों को खारिज किया है। उसका कहना है कि घटना वाले दिन बेटे के जन्मदिन को लेकर घर में कहासुनी हुई थी। इसके बाद फुलकुंवर घर से बाहर चली गईं और बाद में उनका शव फंदे पर लटका मिला।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि हत्या और आत्महत्या—दोनों पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

हत्या मामले में दो युवकों को आजीवन कारावास की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ढोढ़ीपारा भैसखटार इलाके में करीब सवा दो साल पहले हुई हत्या के एक मामले में कोर्ट ने दो युवको को दोषी 'ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। दो अपराधी एक युवक को दवा दुकान में बुलाकर अपने साथ ले गए। युवक के गले और सीने में राजा से 18 बार वार किया। माथे पर हथौड़ा से मारा। इससे युवक की मौत हो गई थी।

15 अक्टूबर 2023 की रात लगभग नौ बजे किशन साहू अपने दोस्त सूरजभान साहू ऊर्फ शुभम के साथ ढोदीपाग भैसखटाल इलाके में स्थित एक मेडिकल दुकान में दवा लेने गया था। इसी दौरान नवाल इलाके में रहने वाले साम् कर्फ छोटू बाइक से सूरजभान को यह कहते हुए कि इन्हें अकेले में 10 मिनट बातचीत करनी है। युवक को लेकर भैसखटाल के पास से नहर की ओर लेकर चले गए। रात के लगभग 12 बजे जानकारी मिली कि रिक्की यादव और प्रभाकर ने उसकी हत्या कर दी है।

देर रात किशन नहर किनारे पहुंचा तो उसने खुन ने लथपथ सुरजभान को देखा। आनन फ्ानन में ये कोरबा जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां परीक्षण कर हॉक्टर ने सूरजभान को मृत घोषित कर दिया। मामले में दोष को साबित करने में सीसीटीवी फुटेज और गवाह किशन का बयान रहा महत्वपूर्ण।

जिला अस्पताल में नवजात की मौत : परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया, थाने में की शिकायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। के जिला अस्पताल में प्रसव के दौरान कथित लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि उपचार और डिलीवरी प्रक्रिया में लापरवाही के कारण नवजात की हालत बिगड़ी और बाद में उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, कैम्प-1, 18 नंबर रोड, मदर टेरेसा वार्ड निवासी राजा राम की पत्नी करिश्मा को 7 फरवरी को प्रसव पीड़ा शुरू हुई, जिसके बाद रात करीब 8 बजे उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों का कहना है कि डॉक्टरों ने शुरू में स्थिति सामान्य बताते हुए सामान्य प्रसव की तैयारी की। परिवार की ओर से आशंका

जताए जाने पर ऑपरेशन का विकल्प भी सुझाया गया, लेकिन कथित तौर पर सामान्य डिलीवरी की प्रक्रिया जारी रखी गई। परिजनों के अनुसार 10 फरवरी तड़के करीब 3 बजे प्रसव कराया गया।

आरोप है कि प्रसव के दौरान पेट पर दबाव डालकर बच्चे को बाहर निकालने की कोशिश की गई। जन्म के बाद नवजात ने रोने की प्रतिक्रिया नहीं दी और उसकी स्थिति गंभीर बताई गई। बाद में बच्चे को ICU में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। सुबह करीब 10 बजे उसे शिशु रोग विशेषज्ञ के पास ले जाया गया। परिवार का कहना है कि उन्होंने दोपहर में लिखित आवेदन भी दिया था, क्योंकि बच्चे की हालत बिगड़ती जा रही थी और आईसीयू में उसकी हार्ट बीट कम बताई गई। 11 फरवरी की सुबह करीब 8:30 बजे अस्पताल प्रबंधन ने नवजात के निधन की सूचना दी।

घटना के बाद परिजनों ने इलाज और डिलीवरी प्रक्रिया में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से मामले की आधिकारिक प्रतिक्रिया आना बाकी है।

10 लाख का गुटखा जब्त : यार्ड में किया था डंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में नॉर्थ जोन पुलिस और एसीसीयू की टीम ने बुधवार को करीब 10 लाख रुपए का गुटखा जब्त किया है। जो खमतराई इलाके के एक यार्ड में डंप कर रखा गया था। जांच के लिए सैंपल भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पुलिस को लंबे समय से अवैध गुटखा भंडारण और सप्लाई की शिकायतें मिल रही थी। ऐसे में पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन मयंक गुर्जर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकाश मरकाम, सहायक पुलिस आयुक्त पूर्णिमा लामा और थाना प्रभारी खमतराई को जांच के निर्देश दिए थे।

इसके बाद टीम ने यार्ड में दबिश दी। जहां बड़ी मात्रा में गुटखा बरामद किया गया। फिलहाल, पुलिस इस मामले में गोदाम संचालक से पूछताछ में जुटी हुई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जब्त गुटखा असली है या नकली, इसकी पुष्टि के लिए फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया। सैंपल लेकर जांच कराई जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि गुटखा स्वास्थ्य मानकों पर खरा उतरता है या नहीं।

रिपोर्ट के बाद होगी आगे की कार्रवाई

जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस उपायुक्त मयंक गुर्जर ने यार्ड में रेड और गुटखा जब्ती की पुष्टि करते हुए कहा कि पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। जल्द ही मामले में विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

फंदे पर लटकी मिली विवाहिता की लाश

राउरकेला। प्लांट साइट थाना क्षेत्र अंतर्गत वीर सावरकर लेन स्थित एक घर में 41 वर्षीय महिला का शव फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान विद्योतमा देवी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और साइंटिफिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, विद्योतमा घटना से कुछ घंटे पहले ही अपने गांव से राउरकेला लौटी थी। सुबह जब नीरज कमरे में पहुंचा, तो पत्नी को साड़ी के फंदे के सहारे पंखे से लटका पाया। उसने आनन-फानन में पत्नी को फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पति की लिखित शिकायत पर पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

प्रमुख खबरें

1 अप्रैल से मनरेगा की विदाई, पेंडेंसी समाप्त करने की तैयारी

कोरबा। केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को चरणबद्ध रूप से समाप्त करने की तैयारी कर ली है। इसके स्थान पर 'विकसित भारत-रामजी योजना' को लागू किया जा रहा है, जो 1 अप्रैल 2026 से पूरे देश में प्रभावी होगी। इसी क्रम में कोरबा जिला प्रशासन ने भी मनरेगा को औपचारिक रूप से वाइंड-अप करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति से पहले मनरेगा से जुड़े सभी लंबित प्रकरणों, भुगतान और फाइलों के निपटारे पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

27 लाख नाम कटे, जुड़वाने के 2.75 लाख आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। 21 फरवरी को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में प्रदेश के 19 लाख से ज्यादा वोटर्स कम हो जाएंगे। जिन 27 लाख लोगों के नाम शिफ्टिंग, त्रुटि या एसआईआर फार्म नहीं भरने के कारण कटे थे, उनमें से सिर्फ 2.75 लाख लोगों ने ही अब तक नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया है।

जिनेश ने 21 की अल्पायु में कर ली एमसीए

मनेन्द्रगढ़। नगर और पूरे एमसीबी जिले के लिये यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि नगर के होनहार युवा जिनेश जैन (कतेला) ने मात्र 21 वर्ष की आयु में सीएमए (कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट) की प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण परीक्षा सफलता पूर्वक उत्तीर्ण कर प्रदेश के सबसे कम उम्र के सीएमए बनने का गौरव हासिल किया है।

केबिनेट का फैसला : किसानों को होली से पहले मिलेगी धान खरीदी के अंतर की राशि

25 लाख किसानों के खाते में ट्रांसफर होंगे 10 हजार करोड़ रुपए

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि होली पर्व से पूर्व एकमुश्त प्रदान की जाएगी। इस निर्णय के तहत लगभग 10,000 करोड़ की राशि 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता भाइयों-बहनों की मुस्कान ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल धान की खरीदी नहीं करती, बल्कि किसानों के परिश्रम का उचित मूल्य सुनिश्चित करना और उनके सम्मान की रक्षा करना अपना दायित्व मानती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस निर्णय से किसानों को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही उत्सव का उल्लास बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसान प्रदेश की आत्मा और अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव हैं। उनकी मेहनत और पसीने से ही राज्य की समृद्धि सुनिश्चित होती है। राज्य सरकार किसानों की खुशहाली, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

किसानों को 35 हजार करोड़

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में राज्य के 25,24,339 किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत बीते दो वर्षों में धान मूल्य अंतर की राशि के रूप में 25,000 करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। होली से 10 हजार करोड़ के भुगतान के साथ यह राशि बढ़कर 35,000 करोड़ से अधिक हो जाएगी।

राज्यपाल के अभिभाषण का भी हुआ अनुमोदन

बुधवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में छत्तीसगढ़ के षष्ठम् विधान सभा के अष्टम् सत्र (फरवरी-मार्च 2026) के लिए राज्यपाल के अभिभाषण के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इसके साथ ही, बजट अनुमान वर्ष 2026-27 को विधानसभा में प्रस्तुत करने हेतु 'छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक-2026' के प्रारूप को भी मंत्रिपरिषद ने अपनी स्वीकृति दे दी है।

छत्तीसगढ़ का बजट 2026 कब तक आएगा?

बता दें कि छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार अपने कार्यकाल के तीसरे बजट की तैयारी में है। छत्तीसगढ़ विधानसभा में 23 फरवरी 2026 को बजट सत्र शुरू होगा। छत्तीसगढ़ बजट 2026 की डेट और थीम अभी सामने नहीं आई है। उम्मीद है कि फरवरी के अंत तक बजट पेश हो सकता है। केबिनेट की बैठक के बाद यह जानकारी उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने पत्रकारों को दी।

ग्राम सेमो को उप मुख्यमंत्री शर्मा ने दी विद्युत उपकेन्द्र की बड़ी सौगात

5 एमवीए ट्रांसफार्मर और 3 नए फीडर से बढ़ेगी क्षमता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के ग्राम सेमो में 2 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र की बड़ी सौगात दी। इस उपकेन्द्र के स्थापित होने से आसपास के 10 गांव सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे तथा लगभग 2 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और नियमित विद्युत आपूर्ति उपलब्ध हो सकेगी।

ग्राम सेमो में इस महत्वपूर्ण परियोजना के तहत विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत की गई। यह उपकेन्द्र क्षेत्र में लंबे समय से बनी बिजली समस्या के समाधान के साथ-साथ विकास की नई संभावनाओं के द्वार भी खोलेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा की पहल से क्षेत्रवासियों को बेहतर और स्थायी विद्युत सुविधा मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास को केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रखते हुए, गांवों और वनांचलों तक ले जाने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह उपकेन्द्र न केवल बिजली की समस्या को दूर करेगा, बल्कि क्षेत्र के विकास की रफ्तार को भी तेज करेगा। लंबे समय से इस इलाके के लोगों को लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने जैसी समस्याओं से निजात मिलेगा। इस नई परियोजना के पूरा होने के बाद यह समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि इस उपकेन्द्र में 5 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा तथा यहां से 3 अलग-अलग 11 केवी फीडर निकाले जाएंगे, जिससे आसपास के 10 गांव सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। इस व्यवस्था से क्षेत्र में वोल्टेज की समस्या दूर होगी, जिससे किसानों को विशेष रूप से राहत मिलेगी और कृषि कार्य के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण की जानकारी ली।

उल्लास नवभारत साक्षरता : महापरीक्षा अभियान 2025 में 91 प्रतिशत शिक्षार्थी हुए उत्तीर्ण, 4 लाख थे परीक्षार्थी

- 984 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने बंदूक छोड़ कलम के माध्यम से विकास की नई राह का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में 07 दिसम्बर 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अनुशंसित उल्लास -नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत महापरीक्षा अभियान का सफल आयोजन किया गया। परीक्षा का परिणाम राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), नई दिल्ली द्वारा घोषित किया गया, जिसमें प्रदेश के प्रतिभागियों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है।

इस अभियान में प्रदेश में पहली बार 984 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से भाग लेकर बंदूक छोड़ कलम के माध्यम से विकास की नई राह चुनने का संदेश दिया।

राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश भर से कुल 4 लाख 55 हजार 44 शिक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, इनमें से 4 लाख 13 हजार 403 शिक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं। इसी प्रकार प्रदेश का कुल परीक्षा परिणाम 90.85 प्रतिशत रहा, जो साक्षरता अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्गवार परिणाम के अनुसार एक लाख 37 हजार 350 पुरुष शिक्षार्थियों में से एक लाख 23 हजार 743 उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं। 3 लाख 17 हजार 617 महिला शिक्षार्थियों में से 2 लाख 89 हजार 597 ने सफलता प्राप्त की है। वहीं 77 ट्रांसजेंडर शिक्षार्थियों में से 63 उत्तीर्ण हुए, जो समावेशी शिक्षा की दिशा में सकारात्मक संकेत है।

इस महापरीक्षा अभियान को सफल बनाने में शासकीय एवं अशासकीय सदस्यों, जनप्रतिनिधियों तथा स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही। जिला एवं जनपद स्तर पर कलेक्टर एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा व्यापक स्तर पर अपील, बैठकों और सोशल मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाया गया। स्कूली छात्र-छात्राओं, पंच-सरपंचों एवं ग्राम प्रभारियों द्वारा प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया तथा सायंकाल जनप्रतिनिधियों द्वारा मशाल रैलियां निकालकर सकारात्मक शैक्षिक वातावरण का निर्माण किया गया। जिला एवं विकासखंड स्तर पर वेबीनार और समीक्षा बैठकों के माध्यम से दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

- गृह ग्राम बीरपुर में नवनिर्मित शिवमंदिर की प्राणप्रतिष्ठा
- वैदिक विधि विधान से संपन्न हुआ आयोजन

सिर पर कलश लेकर निकली गांव की बेटी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने गृह ग्राम बीरपुर में नवनिर्मित शिव मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में सहभागिता कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के अंतर्गत प्रात: राम मंदिर, पासंग नाला से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कलश यात्रा शिव मंदिर परिसर तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। कार्यक्रम के दौरान भंडारे का आयोजन किया गया, वहीं रात्रि में भजन-कीर्तन के माध्यम से भक्तिमय वातावरण बना रहा।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी सौहार्द, एकता और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने ग्रामवासियों को इस सफल एवं भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि नवनिर्मित शिव मंदिर ग्राम बीरपुर में आस्था और सांस्कृतिक चेतना का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

कार्यक्रम में विधायक भूलन सिंह मरावी, पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा, बाबूलाल अग्रवाल, अनिल सिंह मेजर, श्री भीमसेन अग्रवाल, अजय गोयल सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

हॉर्नबिल के संरक्षण के लिए बन रहे प्राकृतिक उद्यान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। हॉर्नबिल दुनिया के सबसे आकर्षक और अनोखे पक्षियों में से एक हैं। इनका विशाल आकार, बड़ी चोंच, आकर्षक और रंगीन पंखुड़ियाँ और आमतौर पर शोरगुल भरा व्यवहार इन्हें हर जगह आसानी से पहचान दिलाते हैं। इनके घोंसला बनाने की विचित्र आदतें भी कई विशेषताओं में से एक हैं जो हॉर्नबिल को इतना दिलचस्प बनाती हैं। छत्तीसगढ के उदंती-सीतानदी में दुर्लभ मालाबार पाइड हॉर्नबिल पक्षियों के संरक्षण के लिए विशेष प्राकृतिक उद्यान विकसित किए जा रहे हैं, जिन्हें हॉर्नबिल रेस्टोरेंट के रूप में तैयार किया जाएगा।

हॉर्नबिल को जंगल का किसान मानते हुए उनके विलुप्त होने के जोखिम को कम करने के लिए आवश्यक हैं कि हॉर्नबिल प्रजातियों के लिए घोंसलों की निगरानी, कृत्रिम घोंसले लगाने, अनुसंधान और स्थानीय समुदाय की भागीदारी (घोंसला गोद लेने का कार्यक्रम) के माध्यम से संरक्षण कार्य किया जाए। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में एक नई पहल कर रहा है।

यह रेस्टोरेंट किसी प्रकार का कृत्रिम निर्माण नहीं होगा, बल्कि जंगल और आसपास के क्षेत्रों में फलदार वृक्षों का प्राकृतिक समूह विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत पीपल, बरगद तथा फाइकस प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे, जिनके फल हॉर्नबिल पक्षियों का प्रमुख आहार हैं। इस पहल का उद्देश्य इन पक्षियों को पूरे वर्ष प्राकृतिक भोजन उपलब्ध कराना और उनके सुरक्षित आवास को बढ़ावा देना है। हॉर्नबिल को घोंसला बनाने के लिए जरूरी पेड़ों को लगाने और उनकी निगरानी करने के प्रयास।

उल्लेखनीय है कि सामान्यत: पश्चिमी घाट क्षेत्र में पाए जाने वाले ये पक्षी अब उदंती-सीतानदी की अनुकूल जलवायु और हरियाली के कारण यहां अधिक संख्या में दिखाई देने लगे हैं। पहले जहां इनका दर्शन कभी-कभार होता था, वहीं अब सप्ताह में दो से तीन बार इनकी उपस्थिति दर्ज की जा रही है। हॉर्नबिल पक्षियों को फॉरेस्ट इंजीनियर या जंगल का प्राकृतिक माली भी कहा जाता है, क्योंकि ये फल खाने के बाद बीजों को दूर-दूर तक फैलाते हैं, जिससे वनों का प्राकृतिक विस्तार होता है। समुद्र तल से लगभग 800 से 1000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित उदंती-सीतानदी का पहाड़ी क्षेत्र इन पक्षियों के लिए उपयुक्त आवास सिद्ध हो रहा है।

इन दुर्लभ पक्षियों की सुरक्षा और निगरानी के लिए विशेष ट्रैकिंग टीमें गठित की गई हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के साथ स्थानीय प्रशिक्षित युवाओं को भी इसमें शामिल किया गया है, जो घोंसलों की सुरक्षा और नियमित निगरानी का कार्य कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950